website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 272 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 09 सितम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी 15 सितंबर को कोलकाता में संयुक्त कमांडर सम्मेलन 2025 का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 15 सितंबर को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में होने वाले संयुक्त कमांडर सम्मेलन (CCC) 2025 का उद्घाटन करेंगे। यह सम्मेलन 15 से 17 सितंबर तक चलेगा और इसका विषय "सुधारों का वर्ष-भविष्य के लिए परिवर्तन" है। इस दौरान देश की सुरक्षा और सशस्त्र बलों के भविष्य को लेकर बड़े स्तर पर चर्चा होगी।

सम्मेलन में रक्षा मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, रक्षा राज्य मंत्री, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और रक्षा सचिव शामिल होंगे। इसके अलावा तीनों सेनाओं (थलसेना, नौसेना और वायुसेना), एकीकृत रक्षा स्टाफ के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य मंत्रालयों के सचिव भी इसमें भाग लेंगे।

सीसीसी 2025 का मुख्य फोकस सुधार, परिवर्तन, बदलाव और परिचालन तैयारियों पर रहेगा। इसमें संस्थागत सुधारों, गहन एकीकरण और तकनीकी आधुनिकीकरण पर चर्चा की जाएगी ताकि सशस्त्र बलों की बहु-क्षेत्रीय परिचालन क्षमता और अधिक मजबूत हो सके। इसका उद्देश्य जटिल होते भू-रणनीतिक हालात में भारतीय सेनाओं को चुस्त और निर्णायक बनाए रखना है।

सम्मेलन में समावेशी जुड़ाव की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सशस्त्र बलों के विभिन्न रैंकों के अधिकारियों और जवानों के साथ भी संवादात्मक सत्र आयोजित होंगे। इससे जमीनी स्तर की दृष्टि और अनुभव भी शीर्ष स्तर की चर्चाओं में शामिल होंगे।

संयुक्त कमांडर सम्मेलन सशस्त्र बलों का शीर्ष स्तर का विचार-मंथन मंच है। यह न केवल रणनीतिक और परिचालन मुद्दों पर चर्चा का अवसर देता है, बल्कि देश के शीर्ष नागरिक और सैन्य नेतृत्व को एक साथ लाकर भविष्य की सुरक्षा रणनीति को दिशा भी प्रदान करता है।

स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत से ही वैश्विक चुनौतियों पर विजय संभव- पीयूष गोयल

नई दिल्ली(एजेंसी)। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत में हर वैश्विक चुनौती का सामना करने की ताकत है। इसके लिए देशवासियों को स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत पर भरोसा करना होगा। उन्होंने व्यवसायियों से अपील की कि वे 'मेड इन इंडिया' उत्पादों को प्राथमिकता दें और आयात पर निर्भरता कम करें।

गोयल नई दिल्ली में आयोजित 56वें ईईपीसी इंडिया नेशनल अवार्ड्स कार्यक्रम के दौरान यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि कई देश निर्यात पर पाबंदियां लगा रहे हैं, जिससे भारत की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। ऐसे में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सभी को कदम बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने बताया कि भारत का इंजीनियरिंग निर्यात 1955 में 10 मिलियन डॉलर था, जो अब बढ़कर 116 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है और भविष्य में इसमें और तेजी की संभावना है। गोयल ने एमएसएमई सेक्टर को व्यापार और व्यवसाय की रीढ़ बताते हुए कहा कि देश का आत्मविश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने सरकार की "जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट" नीति पर जोर दिया और कहा कि भारत गुणवत्ता और स्थिरता के मामले में प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत स्थिरता प्रयासों में दुनिया के शीर्ष तीन देशों में शामिल है और COP21 प्रतिबद्धताओं के तहत लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत पांच नाजुक (Fragile Five) देशों की सूची से निकलकर आज दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है। उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों से भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और हाल की तिमाही में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.8 प्रतिशत रही, जिसे उन्होंने विश्व रिकॉर्ड बताया।

गोयल ने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती और सुधारों से घरेलू मांग में वृद्धि हुई है और इससे रोजगार व आय के नए अवसर बने हैं। उन्होंने यह भी जोर दिया कि कम जीएसटी दरों का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचना चाहिए ताकि समावेशी विकास संभव हो सके। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु भी मौजूद रहीं। उन्होंने भारत के इंजीनियरिंग निर्यात की उपलब्धियों की सराहना की और सभी हितधारकों से अपील की कि वे वैश्विक व्यापार में भारत की भूमिका को और मजबूत करें।

आपदा प्रबंधन, कानून व्यवस्था और जनसुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए- सीएम धामी

नई दिल्ली(एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सीएम आवास में शासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े सभी जिलाधिकारियों को आपदा प्रबंधन, कानून व्यवस्था, पुनर्निर्माण कार्यों, पर्यटन एवं जनसुविधाओं से संबंधित व्यापक दिशा-निर्देश दिए। सीएम धामी ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता जनता को त्वरित राहत, सुरक्षा एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

सीएम धामी ने निर्देश दिए कि बरसात समाप्त होते ही मरम्मत और पुनर्निर्माण के कार्यों हेतु प्रशासनिक मशीनरी एक्टिव मोड में कार्यरत रहे। वर्षा काल तक राहत सामग्री एवं ड्राई राशन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। आपदा प्रभावितों के ठहरने, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाए। फसलों, पेयजल लाइन एवं सरकारी संपत्तियों को हुए नुकसान का त्वरित आकलन कर शासन को रिपोर्ट भेजी जाए। नदी-नालों के पास निर्माण की अनुमति पर प्रतिबंध सख्ती से लागू किया जाए। प्रतिबंधों का अनुपालन न करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि आपदा प्रभावितों को मानकानुसार त्वरित सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी समय-समय पर अस्पतालों का निरीक्षण करें और विभिन्न व्यवस्थाओं का आकलन करें। डेंगू, मलेरिया और अन्य जलजनित रोगों से बचाव के लिए अस्पतालों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। सभी जिलाधिकारी अपने-अपने जनपदों में स्वास्थ्य विभाग की शीघ्र बैठक करें।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कानून व्यवस्था में बाधा डालने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। अनधिकृत आधार कार्ड, वोटर आईडी और कनेक्शन जारी करने वालों पर नियमित कार्रवाई की जाए। बाहरी व्यक्तियों व संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाए। सीमावर्ती क्षेत्रों में चेकिंग और सख्ती बढ़ाई जाए तथा संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर कार्रवाई की जाए। गौवंश के संरक्षण के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाए।

सीएम धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसात के बाद पुनर्निर्माण एवं इंफ्रास्ट्रक्चर के कार्यों में तेजी लाई जाए। सरकारी निर्माण कार्यों में स्थानीय मजदूरों को प्राथमिकता दी जाए। गांवों और शहरी क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि मानसून के बाद चारधाम यात्रा सतर्कता के साथ सुचारू रूप से संचालित हो। श्रद्धालुओं को खराब मौसम की जानकारी समय पर मिल जाए।

उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक जनपद की मुख्यमंत्री घोषणाओं एवं चालू कार्यों की रिपोर्ट 15 दिनों में मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजी जाए। ग्राम स्तर पर चौपाल कार्यक्रम, जिलास्तरीय जनसुनवाई, तहसील दिवस, बीडीसी की बैठकों एवं बहुद्देशीय शिविरों का नियमित आयोजन किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर 17 सितंबर से गांधी जयंती तक सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम की विस्तृत तैयारी की जाए। सेवा, स्वच्छता और जनसुविधा की थीम पर कार्य किए जाएं। जनपदों में नियमित स्वच्छता अभियान चलाने के साथ प्रत्येक सप्ताह एक दिन स्वच्छता कार्यक्रम में जिलाधिकारी स्वयं प्रतिभाग करें। क्षतिग्रस्त सड़कों को जल्द सुचारू करने के साथ ही अभियान के तहत सड़कों को गड्ढामुक्त किया जाए।

नेपाल में हिंसक प्रदर्शन के बीच गृहमंत्री रमेश लेखक ने दिया इस्तीफा, कई शहरों में कर्फ्यू लागू

नई दिल्ली(एजेंसी)। नेपाल में सोमवार को हालात बिगड़ने के बाद गृहमंत्री रमेश लेखक ने इस्तीफा दे दिया। नेपाल में बीस सालों में पहली बार इतना बड़ा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला है, जिसमें अब तक 19 लोगों की मौत हो चुकी है। गृहमंत्री ने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को आपातकालीन कैबिनेट बैठक के दौरान उनके आधिकारिक आवास पर सौंपा। इससे पहले, उन्होंने नेपाली कांग्रेस की बैठक में भी कहा था कि वे नैतिक आधार पर पद छोड़ देंगे।

देशभर में भ्रष्टाचार और सरकार द्वारा लगाए गए सोशल मीडिया बैन के खिलाफ प्रदर्शन अचानक हिंसक हो गए। केवल राजधानी काठमांडू में ही 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि सुनसरी जिले के इतहरी शहर में दो और लोगों की जान चली गई। बढ़ते तनाव के कारण सरकार ने कई हिस्सों में कर्फ्यू लगाने और सभाओं पर रोक लगाने का आदेश दिया।

काठमांडू समेत अन्य जिलों में पुलिस प्रशासन ने पाबंदियां लागू की हैं। रुपन्देही जिला प्रशासन कार्यालय ने सोमवार को बुटवल और भैरहवा में शाम 4 बजे से रात 10 बजे तक कर्फ्यू लागू कर दिया गया। जिला प्रमुख टोकराज पांडे ने कहा कि कर्फ्यू के दौरान किसी भी तरह की रैली, धरना, सभा या बैठक पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगी।

वहीं बुटवल में कर्फ्यू का दायरा धागो कारखाना पुल से बेलबास चौक तक, चिड़ियाखोला से मंगलपुर तक रखा गया है। वहीं, भैरहवा में कर्फ्यू क्षेत्र रोहिनिखोला पुल से लेकर बेथरी पुल तक, बुद्ध चौक से मेउडिहावा तक रहेगा। इसके अलावा बुटवल-बेलहिया सड़क से 100 मीटर के दायरे में सभी तरह की सभाओं और गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। इधर सुनसरी जिले के इतहरी शहर में भी हालात बिगड़ने के बाद मुख्य चौक के आसपास कर्फ्यू लागू कर दिया गया। जिला प्रमुख धर्मेंद्र मिश्रा ने बताया कि यह कर्फ्यू अगले आदेश तक जारी रहेगा। लगातार बिगड़ते हालात और लोगों की मौतों के बीच सरकार की मुश्किलें बढ़ गई हैं और इस्तीफा देने वाले गृहमंत्री का फैसला अब देश की राजनीति पर बड़ा असर डाल सकता है।

दक्षिणी चीन में तूफान तपाह का असर; स्कूल-कॉलेज बंद, हजारों लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए गए

नई दिल्ली(एजेंसी)। दक्षिणी चीन के ग्वांगडोंग प्रांत में सोमवार सुबह तूफान तपाह तट से टकराया, जिससे कई जिलों में जनजीवन प्रभावित हुआ। तूफान सुबह करीब 8:50 बजे जियांगमेन शहर के ताइशान इलाके में पहुंचा। इस दौरान हवाओं की रफ्तार करीब 30 मीटर प्रति सेकंड रही। सुरक्षा कारणों से स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए और हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

वहीं ताइशान में 182 स्कूलों और किंडरगार्टन की कक्षाएं स्थगित कर दी गईं, जिससे लगभग 1,20,000 छात्र प्रभावित हुए। जियांगमेन में 41,000 से अधिक लोगों को आपातकालीन आश्रयों में पहुंचाया गया। स्थिति से निपटने के लिए मेरीटाइम ब्यूरो ने 43 समुद्री बचाव दल और 30 जहाज तैनात किए हैं, जबकि ताइशान में 3,300 से ज्यादा आपातकालीन कर्मी ड्यूटी पर लगाए गए हैं। यांगजियांग शहर में भी आपातकालीन आश्रय खोले गए। यहां रविवार सुबह 9 बजे तक 26 अपतटीय पवन ऊर्जा प्लेटफॉर्मों से 1,785 श्रमिकों को निकाला गया। इसके अलावा मछली फार्मों से 2,026 लोग और समुद्री फार्मों से 342 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। तूफान के खतरे को देखते हुए यांगजियांग के 12 तटीय पर्यटन स्थलों को बंद कर दिया गया। ग्वांगडोंग के कई हिस्सों में सोमवार को तेज हवाओं और भारी बारिश का असर देखा गया।

हांगकांग वेधशाला ने रविवार शाम तूफान तपाह को देखते हुए चेतावनी प्रणाली का नंबर 8 सिग्नल जारी किया, जो वहां की पांचस्तरीय प्रणाली का तीसरा सबसे ऊंचा स्तर है। इसके असर से हांगकांग हवाई अड्डा प्राधिकरण ने सोमवार को करीब 100 उड़ानें रद्द होने की आशंका जताई। वहीं, मनोरंजन पार्क, क्लीनिक और चीन के हैनान प्रांत से आने-जाने वाली क्रॉस-सी ट्रेन सेवाएं भी रद्द या परिवर्तित कर दी गईं।

जीएसटी रिफॉर्म से एमएसएमई के लिए लागत और जटिलता में आएगी कमी, अनुपालन में भी सुधार होगा: रिपोर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। अमेरिकी टैरिफ के कारण अनिश्चित माहौल में जीएसटी सुधार के आने से अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर होगा और एमएसएमई को भी इससे फायदा होगा। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

जीएसटी काउंसिल ने टैक्स स्ट्रक्चर में रखे तीन स्लैब

एसबीआई म्यूचुअल फंड की रिपोर्ट में बताया गया कि जीएसटी काउंसिल ने टैक्स स्ट्रक्चर में तीन स्लैब- 5 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 40 प्रतिशत रखे हैं। इससे विशेषकर एमएसएमई के लिए अनुपालन में सुधार हो सकता है। साथ ही, जटिलता और लागत में कम आएगी।

उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ

वहीं, उपभोक्ताओं को दैनिक उपयोग की वस्तुओं, छोटी कारों, दोपहिया वाहनों, स्वास्थ्य बीमा, कृषि उपकरण और सीमेंट सहित कई अन्य श्रेणियों पर कर दरों में कटौती का लाभ मिलेगा।

इन सुधारों से मांग को और बूस्ट मिलने की उम्मीद

सरकार ने यह सुधार व्यक्तिगत आयकर में कटौती और खुदरा ऋण मानदंडों को आसान बनाने सहित मांग को प्रोत्साहित करने के लिए पहले उठाए गए कदमों के बाद किए हैं, जिससे मांग को और बूस्ट मिलने की उम्मीद है।

उपभोक्ता-केंद्रित क्षेत्र पहले से ही कर रहे अच्छा प्रदर्शन

रिपोर्ट में कहा गया है कि नीतिगत समर्थन से उत्साहित, उपभोक्ता-केंद्रित क्षेत्र पहले से ही अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। भारत-यूएस ट्रेड डील पर रिपोर्ट में कहा गया कि सरकार अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता जारी रखेगी, लेकिन अन्य देशों में विविधीकरण बढ़ाने पर भी ध्यान देना होगा, क्योंकि वैश्विक व्यापार में अमेरिका की हिस्सेदारी में गिरावट जारी रहने की संभावना है क्योंकि वह अपने अन्य देशों के साथ अपने व्यापार घाटे को कम कर रहा है।

भारत-चीन के बीच मजबूत आर्थिक संबंधों की संभावित शुरुआत की ओर इशारा

रिपोर्ट में मुताबिक, भारत-चीन संबंधों में हालिया सामान्यीकरण दोनों के बीच मजबूत आर्थिक संबंधों की संभावित शुरुआत की ओर इशारा करता है। वर्तमान में, भारत का चीन के साथ 100 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार घाटा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन द्वारा इस अधिशेष का कुछ हिस्सा एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) के माध्यम से भारत में वापस लाना दोनों पक्षों के लिए लाभकारी हो सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत अपने विनिर्माण क्षेत्र को विकसित करने और रोजगार सृजन के लिए पूंजी और तकनीकी ज्ञान का उपयोग कर सकता है, और दूसरी ओर, चीन को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था तक पहुंच प्राप्त होगी।हालांकि, इसमें कुछ क्षेत्रों में डंपिंग के खिलाफ स्थानीय उद्योग की सुरक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय हितों की रक्षा के बीच एक अच्छा संतुलन बनाना भी शामिल है।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम के जंगल में मुठभेड़, एक आतंकी ढेर

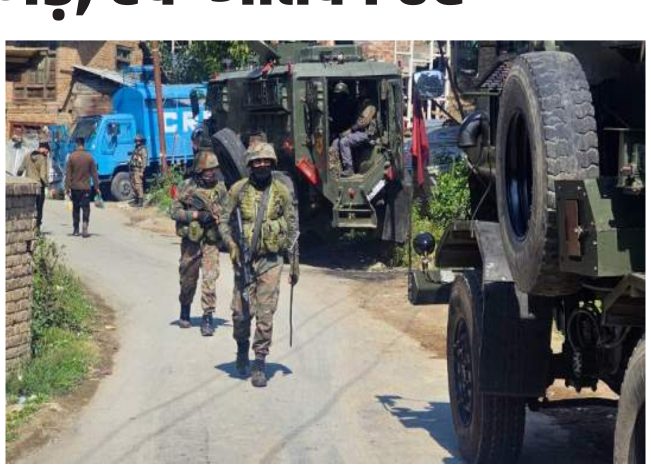

नई दिल्ली(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सोमवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। कुलगाम के गुडार वन क्षेत्र में जारी मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया और सेना का एक जवान घायल हो गया। घायल जवान को अस्पताल ले जाया गया है। घेराबंदी वाले इलाके में अतिरिक्त बल तैनात कर दिया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमों ने गुडार वन क्षेत्र में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि जैसे ही संयुक्त बल करीब पहुंचे, आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई।

संयुक्त बलों ने जम्मू-कश्मीर में आक्रामक आतंकवाद-रोधी अभियान शुरू कर दिए हैं। ये अभियान आतंकवादियों, उनके जमीनी कार्यकर्ताओं (ओजीडब्ल्यू) और समर्थकों के खिलाफ लक्षित हैं। सुरक्षा बलों का मानना है कि केंद्र शासित प्रदेश में आतंक के पारिस्थितिकी तंत्र को ध्वस्त करने के लिए, केवल बंदूकधारी आतंकवादियों के सफाए पर ही ध्यान केंद्रित नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि आतंकवाद को बनाए रखने में मदद करने वालों पर भी ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

'ऑपरेशन सिंदूर' स्थगित होने के बाद, आतंकवादियों द्वारा नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार पाकिस्तान की ओर से जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ करने के प्रयास किए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर में 740 किलोमीटर लंबी नियंत्रण रेखा है, जिसकी सुरक्षा सेना करती है। नियंत्रण रेखा के अलावा, जम्मू, सांबा और कठुआ जिलों में लगभग 240 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा भी है जिसकी सुरक्षा भी बीएसएफ करती है। पाकिस्तान की मदद से आतंकवादी संगठन विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर आतंकवादियों के लिए भारतीय सीमा में हथियार, ड्रग्स और नकदी गिराने के लिए ड्रोन का उपयोग कर रहे हैं।

बीएसएफ विशेष ड्रोन रोधी तकनीक का उपयोग कर रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पाकिस्तान में बैठे आतंकवाद के संचालकों को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को जारी रखने के लिए ड्रोन का उपयोग करने से रोका जा सके।

तस्करों पर भी सुरक्षा बलों की नजर है। ऐसा माना जाता है कि ड्रग तस्करी और हवाला मनी रैकेट से जुटाई गई धनराशि का इस्तेमाल अंततः आतंकवाद को बढ़ावा देने में किया जाता है।

बिहार में एक भी मुस्लिम नेता मुख्यमंत्री का दावेदार नहीं

-बिहार में करीब 20 प्रतिशत मुस्लिम आबादी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बिहार विधानसभा 2025 में मुस्लिम मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रहने वाली है। बिहार विधानसभा 2020 में आरजेडी और जेडीयू ने मिलकर चुनाव लड़ा था। जिसमें मुस्लिम मतदाताओं ने आरजेडी और जेडीयू का समर्थन किया था। नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री बने थे। बिहार में आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव ने यादव मुस्लिम गठबंधन मजबूत किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन पिछले चुनाव की तरह चाहते हैं। प्रशांत किशोर की पार्टी जनस्वराज भी बिहार के सत्ता में आने के लिए मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन चाहती है। प्रशांत किशोर ने दर्जनों मुस्लिम उम्मीदवार बिहार विधानसभा में उतारने का ऐलान किया है। लेकिन किसी गठबंधन एवं पार्टी ने मुस्लिम को मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित नहीं किया है। जबकि बिहार में मुस्लिम समुदाय किसी भी जाती वर्ग से ज्यादा संख्या में है। बिहार में यादव, कुर्मी, ब्राह्मण एवं दलित नेता मुख्यमंत्री के दावेदार हैं लेकिन एक भी मुस्लिम नेता मुख्यमंत्री का दावेदार नहीं है।

मुस्लिम नेता क्यों नहीं है मुख्यमंत्री के दावेदार-

बिहार में आरजेडी, जेडीयू, कांग्रेस, लोकजनशक्ति पार्टी, जनस्वराज पार्टी आदि सभी मुसलमानों के वोट लेना चाहती है और मुस्लिम को वोट बैंक समझती है। लेकिन यही पार्टियां किसी मुस्लिम नेता को ज्यादा ना तो तरजीह देती है और ना ही मुख्यमंत्री बनाना चाहती है। भाजपा एक मात्र ऐसी पार्टी है जो मुस्लिम मतदाताओं के भरोसे नहीं रहती हैं। लेकिन मुस्लिम विरोध की राजनीति के चलते फायदा पूरा उठाती है। दूसरा कारण है कि बिहार में कोई भी मुस्लिम कददावर नेता नहीं है और राजनीतिक दल अपनी पार्टियों में कोई कददावर नेता पनपने भी नहीं देती है। बिहार में मुस्लिम भी अगड़े और पिछड़ी जातियों में बंटे हैं। पिछड़ी जातियों में नेताओं की कमी है और अगड़े मुस्लिम नेताओं को राजनीतिक दल आगे नहीं बढ़ाते हैं। बिहार में मुसलमानो की आर्थिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक पिछड़ापन भी उनको राजनीति में महत्वपूर्ण पदों पर पहुंचने में रुकावट है। इसलिए बिहार में मुस्लिम हमेशा की तरह किंग मेकर बने रहेंगे लेकिन किंग बनना सपना ही रहेगा।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

पंजाब बाढ़ पीड़ितों को केंद्रीय सहायता अभी तक नहीं!

देश में यह पहली बार सामने आया है कि देश के किसी प्रांत में बाढ़ से भारी तबाही होने के बाद भी केंद्र सरकार और देश के प्रधानमंत्री ने कोई राहत पैकेज की घोषणा नहीं की है। पंजाब में बाढ़ ने जितनी तबाही मचाई है, इतिहास में इतनी तबाही बाढ़ से पंजाब में कभी नहीं हुई। पंजाब के हजारों गांव बाढ़ के पानी से डूब गए, खेतों में खड़ी किसानों की फसलें बर्बाद हो गई। पानी का भाव इतना गहरा और तेज था कि पंजाब से लकड़ी, भूसा, पालतू जानवर सहित अन्य वस्तुएं बहकर पाकिस्तान चली गई। बहकर जाने वाली चीजों में कीमती लकड़ियां और भैंसों की संख्या ज्यादा बताई जा रही है। पंजाब में तबाही के चलते 34 लोगों की जान चली गई और सैकड़ो लोग घायल हैं। लोगों के रहने के लिए बने घर पानी में डूब गए और पानी के तेज बहाव से नष्ट हो गए। बाढ़ पीड़ित लोगों को बिना घर के दिन-रात गुजारना पड़ रहा है। खाने, पहनने की वस्तुएं या तो बाढ़ के पानी में बह गई या फिर खराब हो गई। पंजाब के पड़ोसी राज्यों के लोग अनाज, रोटी, सब्जी और कपड़े ले जाकर पंजाब के बाढ़ पीड़ितों को दे रहे है। लेकिन आचार्यजनक रूप से देश के प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार ने पंजाब या फिर किसी अन्य बाढ़ पीड़ित राज्य के लिए बाढ़ राहत सहायता की घोषणा नहीं की है। यह देश में पहली बार हो रहा है कि देश के भीतर अपने ही लोगों के लिए केंद्र सरकार कोई राहत पैकेज घोषित नहीं कर रही है। ऐसा लगने लगा है कि प्रधानमंत्री किसान आंदोलन से नाराज हैं। प्रधानमंत्री का गुस्सा अभी तक शांत नहीं हुआ है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी को सोचना चाहिए कि वह देश के प्रधानमंत्री हैं। देश के मालिक हैं। देश के सभी नागरिक उनके लिए समान होने चाहिए। देश के जनता की सुरक्षा प्रधानमंत्री और उनके मंत्रिमंडल की जिम्मेदारी है। पंजाब देश का एक महत्वपूर्ण राज्य है। जिसमें सिक्ख धर्म के लोगों की बहुसंख्या की जनसंख्या है। पंजाब के सिक्खो ने देश को आजाद करवाने में बहुत कुर्बानियां दी हैं। देश की आजादी में सिक्खो का बलिदान स्वर्ण अक्षरों में लिखा हुआ है। पंजाब के लोग बहुत बहादुर और साहसी हैं। बाढ़ आपदा के बाद वह जल्दी संभल जाएंगे। बाढ़ से हुए नुकसान को सह भी लेंगे। लेकिन केंद्र सरकार का सौतेला व्यवहार हमेशा उनको याद रह सकता है। भारत सरकार से पंजाब की जनता को सहायता मिलना उनका अधिकार है। बुरे वक्त में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोई स्टेटमेंट या कोई ट्वीट सामने नहीं आया है। देश का पूरा विपक्ष प्रधानमंत्री की आलोचना कर रहा है देश की जागरूक जनता को भी ऐसा व्यवहार ठीक नहीं लग रहा होगा। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार को पंजाब में अपने नागरिकों को बचाने और उन्हें राहत देने के लिए तुरंत एवं बड़े पैमाने पर कार्यवाही शुरू करनी चाहिए।

जीएसटी के दो स्लैब बनने से देश की जनता को काफी फायदा होगा

भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की शुरुआत 1 जुलाई 2017 को हुई थी, जिसे देश के कर ढांचे में एक क्रांतिकारी सुधार के रूप में देखा गया। यह एक अप्रत्यक्ष कर प्रणाली है, जिसने विभिन्न केंद्रीय और राज्य करों को एकीकृत कर एक समान कर ढांचा स्थापित किया। शुरुआत में जीएसटी में चार मुख्य स्लैब—5%, 12%, 18% और 28%—तय किए गए थे, साथ ही कुछ वस्तुओं पर शून्य दर और कुछ पर विशेष उपकर (सेस) भी लागू था। हालांकि, समय के साथ इस प्रणाली की जटिलता और उच्च कर दरों के कारण उपभोक्ताओं, व्यवसायों और राज्यों के बीच असंतोष देखा गया। इस पृष्ठभूमि में, सरकार ने जीएसटी ढांचे को सरल करने और इसे दो स्लैब—5% और 18%—तक सीमित करने का प्रस्ताव रखा है, जिसमें कुछ विशेष वस्तुओं, जैसे तंबाकू और लग्जरी उत्पादों, पर 40% की विशेष दर लागू होगी। यह बदलाव 22 सितंबर 2025 से प्रभावी होने की संभावना है। इस लेख में हम इस नई जीएसटी संरचना के जनता पर प्रभाव और इससे होने वाले फायदों का विस्तृत विश्लेषण करेंगे।

जीएसटी में दो स्लैब की आवश्यकता-

जीएसटी की मौजूदा चार स्लैब प्रणाली में कई चुनौतियाँ थीं। पहला, विभिन्न दरों के कारण वस्तुओं और सेवाओं का वर्गीकरण जटिल हो गया था, जिससे उपभोक्ताओं और व्यवसायों में भ्रम की स्थिति बनी रहती थी। दूसरा, उच्च कर दरें, विशेष रूप से 28% स्लैब, ने रोजमर्रा की कुछ वस्तुओं को महंगा कर दिया था, जिसका बोझ मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग पर पड़ रहा था। तीसरा, राज्यों को राजस्व की कमी की शिकायत थी, क्योंकि जटिल कर ढांचे के कारण अनुपालन में कठिनाई होती थी। दो स्लैब की नई प्रणाली इन समस्याओं को हल करने का प्रयास है। यह न केवल कर व्यवस्था को सरल बनाएगी, बल्कि उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ने वाले बोझ को भी कम करेगी।

दो स्लैब प्रणाली की मुख्य विशेषताएँ-

नई जीएसटी संरचना में निम्नलिखित विशेषताएँ शामिल हैं: दो मुख्य स्लैब: अब केवल 5% और 18% के दो स्लैब होंगे। 12% और 28% के स्लैब को समाप्त कर दिया गया है।

40% का विशेष स्लैब: तंबाकू, पान मसाला, कार्बोनेटेड ड्रिंक्स, लग्जरी कारें, यॉट, कैसिनो और ऑनलाइन गेमिंग जैसी "सिन गुड्स" पर 40% की दर लागू होगी।

शून्य दर का विस्तार: दूध, रोटी, पनीर, जीवनरक्षक दवाइयाँ, और कुछ अन्य आवश्यक वस्तुओं पर कोई कर नहीं लगेगा।

कृषि और स्वास्थ्य क्षेत्र को राहत: उर्वरक, जैव कीटनाशक, ड्रिप सिंचाई उपकरण, ट्रैक्टर के टायर, और मेडिकल उपकरणों पर कर को 18% से घटाकर 5% कर दिया गया है। हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस को कर-मुक्त किया गया है।

उपभोक्ता वस्तुओं पर कर में कमी: कपड़े, जूते, खाद्य पदार्थ (जैसे घी, मक्खन, बिस्कुट, नमकीन), और दैनिक उपयोग की वस्तुएँ (जैसे साबुन, शैम्पू, टूथपेस्ट) अब 5% स्लैब में आएँगी।

जनता को होने वाले फायदे-

दो स्लैब की यह नई व्यवस्था जनता के लिए कई तरह से लाभकारी होगी। निम्नलिखित बिंदुओं में हम इन फायदों का विस्तार से विश्लेषण करते हैं:

रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में कमी

दो स्लैब प्रणाली का सबसे बड़ा फायदा यह है कि दैनिक उपयोग की कई वस्तुएँ सस्ती हो जाएँगी। उदाहरण के लिए:- खाद्य पदार्थ: बिस्कुट, चॉकलेट, नमकीन, मक्खन, घी, सूखे मेवे,

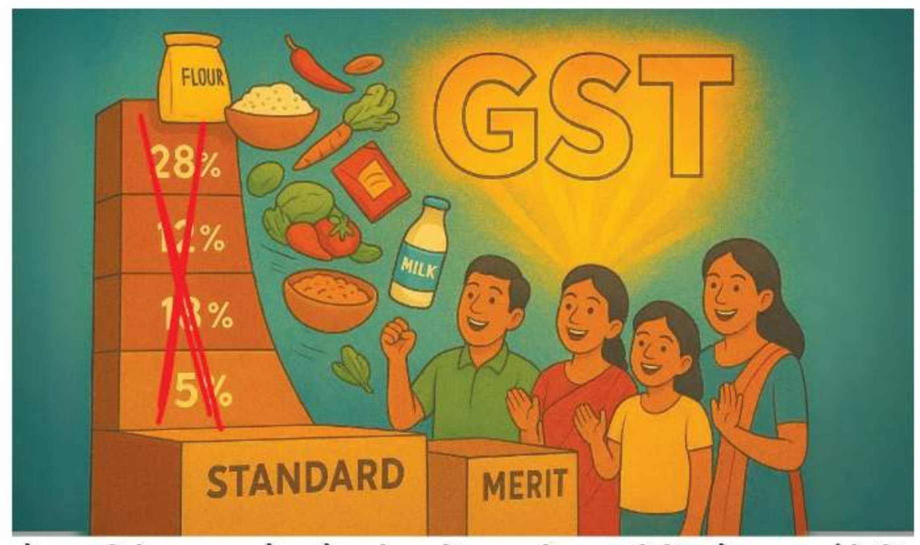

और वनस्पति तेल अब 5% स्लैब में आएँगे, जो पहले 12% या 18% में थे। इससे घरेलू बजट पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, विशेष रूप से निम्न और मध्यम वर्ग के लिए।

घरेलू सामान: साबुन, शैम्पू, टूथपेस्ट, टूथब्रश, और शेविंग क्रीम जैसी वस्तुएँ भी 5% स्लैब में शामिल होंगी। इससे व्यक्तिगत देखभाल के उत्पाद सस्ते होंगे।

कपड़े और जूते: टेक्सटाइल और फुटवेयर पर कर को 12% से घटाकर 5% करने से कपड़े और जूते सस्ते होंगे। यह विशेष रूप से त्योहारी सीजन, जैसे दिवाली और छठ पूजा, के दौरान परिवारों के लिए राहतकारी होगा।

बच्चों का सामान: फीडिंग बोतल, नैपी, और डायपर जैसी वस्तुओं पर भी कर 5% होगा, जिससे छोटे बच्चों वाले परिवारों का खर्च कम होगा। इन सभी वस्तुओं की कीमतों में कमी से उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ेगी, जिससे खपत में वृद्धि होगी और अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन-

कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, और नई जीएसटी संरचना में किसानों को विशेष राहत दी गई है। उर्वरक, जैव कीटनाशक, ड्रिप सिंचाई उपकरण, और ट्रैक्टर के टायरों पर कर को 18% से घटाकर 5% कर दिया गया है। इसके अलावा, ट्रैक्टर और साइकिल जैसी वस्तुएँ भी सस्ती होंगी। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा और किसानों की उत्पादन लागत को कम करेगा। सस्ते कृषि उपकरण और संसाधन किसानों की आय बढ़ाने में मदद करेंगे, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्धि आएगी।

स्वास्थ्य और बीमा क्षेत्र में राहत-

नई जीएसटी संरचना में स्वास्थ्य और बीमा क्षेत्र को विशेष महत्व दिया गया है: जीवनरक्षक दवाएँ: कैंसर, मधुमेह, और अन्य गंभीर बीमारियों की दवाओं पर कर को शून्य कर दिया गया है। इससे मरीजों और उनके परिवारों का आर्थिक बोझ कम होगा।

मेडिकल उपकरण: थर्मामीटर, ग्लूकोमीटर, और ऑक्सीजन सिलिंडर जैसे उपकरण अब 5% स्लैब में आएँगे, जिससे स्वास्थ्य सेवाएँ अधिक सुलभ होंगी।

हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस: व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा को कर-मुक्त कर दिया गया है। इससे बीमा योजनाएँ सस्ती होंगी, और अधिक लोग स्वास्थ्य और जीवन बीमा का लाभ उठा सकेंगे। यह कदम विशेष रूप से निम्न और मध्यम वर्ग के लिए लाभकारी है, जो अक्सर उच्च चिकित्सा खर्चों के कारण आर्थिक तनाव का सामना करते हैं।

मध्यम वर्ग को आर्थिक राहत-

मध्यम वर्ग, जो भारत की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, को इस सुधार से विशेष लाभ होगा। टेलीविजन, एयर कंडीशनर, और खानपान सेवाओं जैसी उपभोक्ता वस्तुओं पर कर को 28% से घटाकर 18% कर दिया गया है। इससे ये उत्पाद सस्ते होंगे, जिससे मध्यम वर्ग की बचत बढ़ेगी। इसके अलावा, कपड़े, जूते, और घरेलू सामान जैसे साबुन और शैम्पू सस्ते होने से मध्यम वर्ग का दैनिक खर्च कम होगा। यह त्योहारी सीजन में मांग को बढ़ाने में भी मदद करेगा, क्योंकि लोग अधिक खरीदारी कर सकेंगे।

कर अनुपालन में सरलता-

दो स्लैब की प्रणाली से कर ढांचा सरल होगा, जिससे व्यवसायों के लिए अनुपालन आसान हो जाएगा। पहले, विभिन्न स्लैब और वस्तुओं के वर्गीकरण को लेकर भ्रम की स्थिति रहती थी, जिसके कारण छोटे और मध्यम उद्यमों को कठिनाई होती थी। अब, केवल दो स्लैब होने से व्यवसायों को कर गणना और रिटर्न दाखिल करने में आसानी होगी। इससे व्यवसायों की लागत कम होगी, जिसका लाभ अंततः उपभोक्ताओं को कम कीमतों के रूप में मिलेगा।

आर्थिक विकास और खपत में वृद्धि-

जीएसटी दरों में कमी से उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें घटेंगी, जिससे मांग में वृद्धि होगी। यह विशेष रूप से त्योहारी सीजन, जैसे नवरात्रि और दिवाली, के दौरान देखने को मिलेगा। बढ़ती खपत से व्यवसायों को लाभ होगा, जिससे उत्पादन और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इसके अलावा, जीएसटी संग्रह में स्थिरता आएगी, क्योंकि सरल कर ढांचा अनुपालन को बढ़ावा देगा। अगस्त 2025 में जीएसटी संग्रह में 6.5% की वृद्धि (₹1.86 लाख करोड़) इस दिशा में सकारात्मक संकेत देती है

शिक्षा और युवा पीढ़ी को लाभशिक्षा से संबंधित वस्तुओं, जैसे पेंसिल, रबड़, किताबें, और कॉपियों पर कर को शून्य कर दिया गया है। इससे शिक्षा अधिक सुलभ होगी, विशेष रूप से ग्रामीण और गरीब परिवारों के बच्चों के लिए। यह कदम भारत की युवा पीढ़ी को सशक्त बनाने में मदद करेगा, जो देश के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है।

संभावित चुनौतियाँ-

हालांकि दो स्लैब प्रणाली के कई फायदे हैं, लेकिन कुछ चुनौतियाँ भी हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, तंबाकू, कार्बोनेटेड ड्रिंक्स, और लग्जरी वस्तुओं पर 40% की उच्च दर से इन उत्पादों की कीमतें बढ़ेंगी, जिसका असर कुछ उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है। इसके अलावा, राज्यों को राजस्व संतुलन बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार से क्षतिपूर्ति की आवश्यकता हो सकती है, जैसा कि झारखंड जैसे राज्यों ने माँग की है। फिर भी, सरकार ने इन चुनौतियों को संबोधित करने के लिए रिफंड प्रक्रिया को तेज करने और कर अनुपालन को सरल बनाने के कदम उठाए हैं

शहादत दिवस पर विशेष....

पाकिस्तान के टैंकों को तबाह करने वाले वीर अब्दुल हमीद

जब भी भारत के वीरों का जिक्र होता है तो वीर अब्दुल हमीद का नाम सबसे पहले आता हैं। वीर अब्दुल हमीद एक प्रसिद्ध भारतीय सैनिक थे जिन्होंने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अपने अदम्य साहस और बलिदान के लिए परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। उनका जन्म 1 जुलाई 1933 को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के धरमपुर गांव में एक साधारण परिवार में हुआ था। उनके पिता मोहम्मद उस्मान पेशे से दर्जी थे और उनकी माता का नाम सकीना बेगम था। अब्दुल हमीद 1954 में भारतीय सेना में भर्ती हुए और ग्रेनेडियर्स रेजिमेंट की चौथी बटालियन में शामिल हुए। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में तैनाती के दौरान घुसपैठियों और आतंकवादियों के खिलाफ कई ऑपरेशनों में हिस्सा लिया। 1962 के भारत-चीन युद्ध में उनकी बटालियन ने नमका-छू की कठिन लड़ाई में हिस्सा लिया, जिसमें अब्दुल हमीद गंभीर रूप से घायल हो गए थे। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अब्दुल हमीद ने अपनी कंपनी में क्वार्टर मास्टर हवलदार के पद पर तैनात थे। उन्होंने अपनी 106 मिमी रिकॉइललेस राइफल से लैस जीप को गन्ने के खेतों की आड़ में रखकर दुश्मन के टैंकों पर निशाना साधा और एक के बाद एक आठ पाकिस्तानी टैंकों को ध्वस्त कर दिया। उनकी इस अद्वितीय वीरता ने पूरे युद्ध का रुख पलट दिया। 10 सितंबर 1965 को अब्दुल हमीद ने अपने प्राणों की आहुति दे दी, लेकिन उनके साहस ने भारत को गर्व और जीत दोनों दिलाई। उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया, जो भारत का सर्वोच्च सैन्य सम्मान है। वीर अब्दुल हमीद की कहानी आज भी भारतीय सेना और देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी शहादत ने यह साबित किया कि साहस, रणकौशल और देशभक्ति के सामने कोई भी शत्रु अजेय नहीं है। उनकी याद में कई स्मारक और प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं और उनके नाम पर कई पुरस्कार और सम्मान दिए जाते हैं।

क़ामयाब मोमिन की सिफ़ात

अल्लाह तआला ने सूरह अल-मु'मिनून 23:1-11 में उन लोगों की खूबियाँ बयान की हैं कि वो फ़लाह पाने वाले हैं, मतलब कामयाबी पाने वाले हैं। और यही वो कामयाबी पाने वाले लोग हैं जिनकी आँखों की ठंडक के लिए उनके रब ने ऐसी–ऐसी चीज़ें छुपा कर रखी हैं, जिसको न किसी आँख ने देखा, न किसी कान ने सुना और न ही किसी दिल पर उसका गुमान गुज़रा।

और इस सूरत-ए-मुबारका में एक-एक चीज़ गिनाई और बताया कि यह वो लोग हैं जो फ़लाह पाने वाले हैं।

वो सिफ़ात कौन-सी हैं?

1. नमाज़ में ख़ुशू रखने वाले।
2. बेकार बातों से दूर रहने वाले।
3. ज़कात अदा करने वाले।
4. अपनी शर्मगाहों की हिफ़ाज़त करने वाले।
5. अमानत और अहद (वायदा) की पाबंदी करने वाले।
6. नमाज़ों की हिफ़ाज़त करने वाले।

यही वो सिफ़ात हैं जिनकी बुनियाद पर इंसान को जन्नत का टिकट मिलेगा। जैसे आप किसी कंट्री में जाने के लिए वीज़ा अप्लाई करते हैं तो उनकी कुछ शर्तें होती हैं, जब आप उन सब शर्तों को मान लेते हैं तो ही वो आपको अपने मुल्क में आने की इजाज़त देते हैं। ठीक इसी तरह जन्नत में जाने के लिए भी कुछ शर्तें हैं। और ये सिफ़ात न सिर्फ इंसान को कामयाब करेंगी बल्कि ये एक मुआशरे के उरूज का सबब भी बनती हैं। अगर हर एक फ़र्द इन क्वालिटीज़ को अपनाने का अज़्म कर ले और अपने अंदर पैदा कर ले तो एक बेहतरीन मिसाल बन सकता है। और ये मिसालें हमें नबी-ए-पाक □ के दौर में मिलती हैं और ये सिफ़ात आपके सहाबा में थीं।

हम आज भी इन सब सिफ़ात को अपने अंदर पैदा करके फ़लाह पा सकते हैं।

-मुहम्मद सुहैल

(पिछले अंक से जारी)

जिंदगी मुख्तलिफ शुअरा की नजर में......

कुछ ऐसे भी शुअरा हैं जो इंसानों को जिंदा दिल होने की तलकीन के बजाए उन्हें और मायूसी की तरफ ले जाते हैं। उन्हें जिंदगी में तारीकी के सिवा कुछ नज़र नहीं आता। जिंदगी के हर मोड़ पर वो नाकामी और नामुरादी का ही तसव्वुर करते हैं। वो अपनी जिंदगी को बनाने व संवारने की कोशिश नहीं करते और ऐसे आमालों में मुब्तिला रहते हैं जिनके बाइस उनकी जिंदगी और तारीक हो जाती है और अपनी किस्मत को कोसते हैं। इसका इल्ज़ाम अल्लाह के सर रखते हैं कि उसने हमारी किस्मत ही ऐसी बनाई है कि उसमें रंज, गम और दुखों के सिवा कुछ नहीं। ऐसे लोगों की जिंदगी को एक शायर ने एक मुफलिस की क़बा है और दुखों और दर्दों का पेबन्द से तशबीह देकर इसतरह शेर कहा है-

जिंदगी एक मुफलिस की क़बा है जिसमें
हर घड़ी दर्द के पेबन्द लगे जाते हैं।

इंसान की जिंदगी अगर पुर दर्द हो तो उसको हिम्मत नहीं हारनि चाहिए। अगर इंसान आला हिम्मती और कोशिश से जिंदगी में पेश आने वाले हालात का और आफ़ात का मुकाबला करे तो वो मुसिबत जो उसके कदमों को डगमगाती है उनका तदारुक कर सकता है। अगर वो अज्म कर ले कि हर मुश्किल व मुसिबत को मुझे खुशी-खुशी बर्दाश्त करना है और उम्मीद का दामन नहीं छोड़ना है तो उसका यह अज्म इरादा एक दिन जरूर उसको उसकी मंजिलें मकसूद तक पहुंचा देगा। क्योंकि यह जिंदगी जो हमारे रब ने हमको अता की है वो एक अज़ीम नेमत और हमारा इम्तिहान है और इस इम्तिहान में हमको पास होना भी जरूरी है। अक्सर शुअरा ने हमेशा जिंदगी का शिकवा ही किया है। उर्दू शायर मीर तकी मीर जिनकी शायरी पुरदर्द शायरी है अपनी जिंदगी का एक शेर इस तरह बयान करते हैं-

हस्ती अपनी हबाब सी है
यह नुमाइश एक सराब की सी है।

मीर साहब के नजदीक जिंदगी हबाब यानि पानी के बुलबुले की सी है, जितनी देर बुलबुला रहता है बस इंसानी जिंदगी की यही हकीकत है। इसमें जो चमक-दमक नज़र आती है वो एक धोका है। मगर हमको जिंदगी को इस नजरिए से नहीं देखना चाहिए असलियत इसकी हकीकत को जानने समझने और परखने की कोशिश करनी चाहिए। क्योंकि अल्लाह तआला का फरमान है कि हमने इंसान को बेफायदा पैदा नहीं किया है हमने इसको हमारी बंदगी के लिए पैदा किया है जोकि इसकी जिंदगी का असल मकसद है। बेशक तुम्हें हमारी ही तरफ लौटकर आना है। लेकिन शुअरा ने इंसानी जिंदगी के मकसद, कि हमारा रब हमसे क्या चाहता है? इस नायाब जिंदगी से गोरों फ़िक्र ना करते हुए अपने तख़य्युल की परवाज़ में शराबुर होकर जिंदगी को एक मुअम्मा बना दिया है वो हमेशा इस मु अम्मे की गुत्थी को सुलझाने में दीवानगी की हद तक पहुंच जाते हैं और इस जिंदगी को दीवाने के ख्वाब से ताबीर करते हैं जो कतअन दुरुस्त नहीं है। एक शायर का यह शेर मुलाहिज़ा कीजिए-

एक मुअम्मा है समझने का ना समझाने का जिंदगी का हे को हे ख्वाब है दीवाने का
ज़िन्दगी काहे को है एक ख़्वाब है दीवाने का।

जिंदगी दरअसल दीवाने का ख्वाब नहीं है बल्कि अल्लाह तआला का एक नायाब तोहफा है, उसका बड़ा इनाम है अगर वो हमको इंसान की जगह जानवर बना देता तो उसको रोकने वाला कौन था, कोई नहीं उसने इंसान को इस कायनात में सबसे अशरफ आला बनाया है और अशरफुल मखलूक होने का दर्जा अता किया है। शायर अपने तखय्युल की परवाज में यह भूल जाते हैं कि हर अच्छी बुरी तकदीर अल्लाह की तरफ से होती है जो पहले से लिखी होती है कि इंसान की जिंदगी से रंज व ग़म में गुजरेगी और किसकी जिंदगी ऐशो इशरत में बसर होगी। हमको हर हाल में कायनात के रब का शुक्र अदा करना चाहिए। उसने जिंदगी में जो नेमतें हमको अता की हैं, उनका शुक्र अदा करना चाहिए और अगर जिंदगी में कुछ दुख, गम या मुसिबतें तो उन पर सब्र करना चाहिए क्योंकि अल्लाह सब्र करने वालों के साथ होता है। इंसान की खसलत है कि वो किसी हाल में भी खुश नहीं रहता है। हर वक्त बस उसकी जबान पर शिकवा रहता है। लिहाज़ा अल्लाह की रज़ा में राज़ी रहना चाहिए और उसके इस एहसान कि उसने हमें अशरफुल मखलूक बनाया की कदर करते हुए उसके बताए हुए एहकामों पर अमल करते हुए उनके मुताबिक अपनी जिंदगी गुजारने की कोशिश करनी चाहिए। अल्लाह तआला हम सबको उसके बताए तरीके जो कुरआन और अहादीस में वाजेह किया गया है, पर अमल करते हुए जिंदगी गुज़ारने की तौफीक अता फरमाए। आमीन

-हबीबुल्ला एडवोकेट, जवाहर नगर, जयपुर

अंतर-धार्मिक संवाद: सांप्रदायिक सद्भाव का एक मार्ग

आज की तेज़ी से बदलती दुनिया में, धार्मिक विविधता हमारे जीवन का एक स्वाभाविक हिस्सा है। हम देखते हैं कि लोग विभिन्न धर्मों का पालन करते हैं- हिंदू धर्म, इस्लाम धर्म, ईसाई धर्म, बौद्ध धर्म, सिख धर्म, जैन धर्म, यहूदी धर्म, और अन्य- प्रत्येक की अपनी मान्यताएँ, प्रथाएँ और परंपराएँ हैं। हालाँकि ये धर्म सतही तौर पर अलग-अलग दिखाई दे सकते हैं, लेकिन अक्सर ये शांति, प्रेम, दया और दूसरों के प्रति सम्मान जैसे समान मूल्यों को साझा करते हैं। हालाँकि, गलतफहमियों, अज्ञानता और कभी-कभी राजनीति के कारण, धर्म संघर्ष का कारण बन सकता है। यहीं पर अंतर-धार्मिक संवाद बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। यह हमें एक-दूसरे को समझने और शांतिपूर्वक साथ रहने में मदद करता है।

अंतर-धार्मिक संवाद का सीधा सा मतलब है विभिन्न धर्मों के लोगों के बीच खुली और सम्मानजनक बातचीत। इसका उद्देश्य बहस करना या यह साबित करने की कोशिश करना नहीं है कि एक धर्म दूसरे से बेहतर है। बल्कि, यह सुनने, सीखने और समझने के बारे में है। इसका उद्देश्य आपसी सम्मान पैदा करना, नफ़रत कम करना और एक ऐसे समाज का निर्माण करना है जहाँ हर कोई सुरक्षित और मूल्यवान महसूस करे। अंतर-धार्मिक संवाद का एक प्रमुख लाभ यह है कि हम यह जान पाते हैं कि सभी धर्मों की कई शिक्षाएँ समान हैं।

अधिकांश धर्म शांति और अहिंसा, करुणा और दान, सत्य और ईमानदारी, बड़ों के प्रति सम्मान, गरीबों की देखभाल, क्षमा और विनम्रता की बात करते हैं। उदाहरण के लिए, हिंदू धर्म वसुधैव कुटुम्बकम की बात करता है - पूरा विश्व एक परिवार है, इस्लाम रहमा (करुणा) और सलाम (शांति) पर ज़ोर देता है, ईसाई धर्म अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करने की शिक्षा देता है, बौद्ध धर्म अहिंसा और सजगता को बढ़ावा देता है, सिख धर्म सरबत दा भला - सभी का कल्याण - की बात करता है, जैन धर्म अपरिग्रह (वैराग्य) और शांतिपूर्ण जीवन पर केंद्रित है। जब लोग धार्मिक सीमाओं से परे एक-दूसरे से बात करते हैं, तो उन्हें अक्सर एहसास होता है कि वे उतने अलग नहीं हैं जितना वे कभी सोचते थे।

इससे साझा मानवता की भावना का निर्माण होता है, जो सांप्रदायिक सद्भाव की नींव है। मंदिरों, मस्जिदों, गिरजाघरों, गुरुद्वारों और अन्य पूजा स्थलों के प्रमुखों का बहुत प्रभाव होता है। जब वे एक साथ आते हैं और एकता की बात करते हैं, तो लोग सुनते हैं। वे अपने अनुयायियों को सहिष्णुता और शांति की ओर ले जा सकते हैं। नफ़रत फैलाने के बजाय, मीडिया सद्भाव और सहयोग की कहानियों को उजागर कर सकता है। फ़िल्में, लेख और सोशल मीडिया एकता और साझा मूल्यों की शक्ति को दर्शा सकते हैं। युवा समाज का भविष्य हैं।

छात्रों और युवा समूहों के लिए विशेष संवाद सत्र या सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम दीर्घकालिक बंधन बना सकते हैं। जब विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ काम करते हैं तो वे अपने मतभेद भूल जाते हैं। दूसरों की सेवा एक ऐसा मूल्य है जो सभी धर्मों का साझा है।

भारत, कई सांप्रदायिक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, धार्मिक सद्भाव की कई कहानियाँ भी प्रस्तुत करता है। उदाहरण के लिए: केरल में, हिंदू, मुस्लिम और ईसाई अक्सर एक-दूसरे के त्योहारों में भाग लेते हैं। पंजाब में, मुसलमानों और सिखों ने मिलकर मस्जिदों और गुरुद्वारों का जीर्णोद्धार किया है। ईद या दिवाली के दौरान, विभिन्न समुदायों के लोग अक्सर मिठाइयों और शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करते हैं।

विभिन्न धर्मों के धार्मिक नेता हिंसा रोकने के लिए शांति मार्च में एक साथ आए हैं। अंतर-धार्मिक संवाद को बढ़ावा देना हमेशा आसान नहीं होता। समाज में अभी भी अज्ञानता, पूर्वाग्रह और संदेह व्याप्त है। राजनीतिक एजेंडे कभी-कभी लोगों को बाँटने के लिए धर्म का दुरुपयोग करते हैं। कुछ लोगों को डर है कि दूसरे धर्मों से बात करने से उनकी अपनी आस्था कमज़ोर हो सकती है। हालाँकि, संवाद का मतलब हर बात पर सहमत होना नहीं है। इसका मतलब है असहमत होने पर भी एक-दूसरे का सम्मान करना। एक मज़बूत आस्था दूसरों के बारे में जानने से नहीं डरती।

दरअसल, सच्चा धर्म खुलापन, विनम्रता और करुणा सिखाता है। अंतर्धार्मिक संवाद केवल धर्म के बारे में नहीं है। यह एक शांतिपूर्ण दुनिया बनाने के बारे में है जहाँ हर कोई सम्मानित और शामिल महसूस करे। यह भय और घृणा पर विजय पाने का एक शक्तिशाली तरीका है। जब विभिन्न धर्मों के लोग एक-दूसरे से बात करते हैं, सुनते हैं और सीखते हैं, तो वे सद्भाव के बीज बोते हैं।

ये बीज शांति और एकता के मज़बूत वृक्ष बनते हैं। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, और एक ऐसी दुनिया में जो तेज़ी से जुड़ती जा रही है, अंतर-धार्मिक संवाद एक विकल्प नहीं है—यह एक आवश्यकता है। आइए हम सब शांति के दूत बनें, एक-एक बातचीत के ज़रिए।

रोज़ी की चिंता: तवक़्कुल और आख़िरत की तैयारी

आज के दौर में इंसान चाहे अमीर हो या ग़रीब, हर किसी के दिल में एक ही सवाल है — कल का क्या होगा? रोज़ी कहाँ से आएगी? यही चिंता उसकी रातों की नींद और दिनों की सुकून को छीन लेती है। लेकिन जब हम इस मसले को कुरआन और हदीस की रौशनी में देखते हैं, तो मालूम होता है कि इंसान की ज़िम्मेदारी सिर्फ़ मेहनत और हलाल रास्ता अपनाने तक है। रोज़ी देने वाला असल में सिर्फ़ अल्लाह है।

दुनिया की हकीकत

क़ुरआन (सूरह अज़-ज़ुख़रुफ़ 43:33-35) में अल्लाह तआला फ़रमाता है कि अगर यह डर न होता कि लोग कुफ्र की तरफ़ झुक जाएँगे, तो काफ़िरों के घर सोने-चाँदी से सजाए जाते। यानी माल-दौलत असल मक़सद नहीं है, यह तो दुनिया का फ़ानी सामान है। असल इनाम आख़िरत में है, जो उन लोगों के लिए है जो अल्लाह से डरते और तवक़्कुल करते हैं।

ज़िंदगी की दो बड़ी नेमतें

हदीस (सहीह बुखारी 6412) में आख़िरी पैग़म्बर स.अ.व. ने फ़रमाया:

"दो नेमतें ऐसी हैं जिन्हें लोग अक्सर ज़ाया कर देते हैं — सेहत और वक़्त।"

इंसान सोचता है कि माल ही उसकी ज़िंदगी का सहारा है, जबकि असल दौलत उसकी सेहत और वक़्त है। इन्हें बर्बाद करके इंसान अपनी असली पूँजी खो देता है।

दुनिया की असली कीमत

एक हदीस (बुखारी 7418) में पैग़म्बर स.अ.व. ने दुनिया की मिसाल देते हुए कहा कि अल्लाह के नज़दीक इसकी हैसियत मरी हुई बकरी के बच्चे से भी कमतर है। दूसरी हदीस (सहीह मुस्लिम 2956) में फ़रमाया:

"मोमिन के लिए दुनिया एक क़ैद है और काफ़िर के लिए जन्नत।"

यानी जो तकलीफ़ें मोमिन को मिलती हैं, वही उसकी असल कामयाबी की निशानी हैं, क्योंकि जन्नत तक का रास्ता मुसीबतों से होकर जाता है।

आसान रास्ता हमेशा सही नहीं

एक हदीस के मुताबिक़, अल्लाह ने जन्नत को मुसीबतों और जहन्नम को ख़्वाहिशों से ढक दिया है। इसका मतलब है कि जिस राह पर सब कुछ आसान नज़र आए, वो ज़रूरी नहीं कि सही हो। जो इंसान मेहनत करता है और मुश्किलों में सब्र करता है, वही आखिरत में असली कामयाबी पाता है।

दुनिया बनाम आख़िरत

क़ुरआन (सूरह आला 87:16-17) में चेतावनी दी गई है:

"बल्कि तुम दुनिया को तरजीह देते हो, जब कि आख़िरत बेहतर और हमेशा रहने वाली है।"

यानी दुनिया की चमक-दमक सिर्फ़ थोड़े वक़्त की है, जबकि आख़िरत की ज़िंदगी हमेशा की है।

दरगाह हज़रत ग़रीब उल्लाह शाह (र.अ.) का 155वाँ उर्स का आयोजन किया गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । हज़रत ग़रीब उल्लाह शाह (र.अ.) का 155वाँ उर्स मुबारक गद्दीनशीन रहीस अहमद कुरैशी (सरकार) की सदारत में विनोबा कच्ची बस्ती पाँच बत्ती एम. आई. रोड पर हर साल की तरह इस साल भी रविवार 7 सितम्बर को बड़े धूमधाम से बनाया गया। दिनांक 07/09/25 चाँद की 14 रबी उल अव्वल 1447 हिजरी को बाद नमाज़ ज़ोहर कुरानखानी की, बाद नमाज़ मगरिब मिलाद की, बाद नमाज़ इशा महफ़िल-ए-शमा व लंगर किया एवं बाद सभी कार्यक्रम के कुल की रस्म की गयी। उर्स में हर वर्ष की तरह इस बार भी सभी समाज के ज़ायरीनों ने हिस्सा लिया और भारत की गंगा जमुनी तहज़ीब का परिचय दिया। उर्स में सभी समाज के धर्म गुरुओं ने भाईचारे व आपस में प्रेम का संदेश दिया व सभी ने मिलकर देश में अमन, शांति, भाईचारा कायम रहे। देश में हमेशा मोहब्बत बनी रहे व सभी की भलाई, तरक़्क़ी, तालीम तर्बियत की दुआ की गयी। उर्स में सभी खिदमतगारों व ज़ायरीनों का सहयोग रहा। उर्स ज़ेरे निगरानी मोइनुद्दीन नारू व अब्दुल रईस के रहा। उर्स में मोहम्मद शाहिद, मुहम्मद हुसैन मंसूरी, ज़फ़र मिर्ज़ा, एडवोकेट मुजाहिद अख़्तर, आफताब हिंदुस्तानी, जुनैद आसिफ, जावेद कुरैशी, हाफिज तस्यूर अली, मुहम्मद अली, खान साहब, नवाब साहब, इरफ़ान अहमद, शौकत कुरैशी, अल्लाहबक्स, मोहम्मद सिराज, दिलशाद अहमद, सकील अहमद, अमीनुद्दिन, अल्ताफ़ हुसैन, काले बाबा, अज़य सिंह, निजामुदिन(मुन्ना पंटेर), पम्मी, इरफ़ान अहमद, नियाज़ अहमद, अब्दुल अजीज, इनायतुल्लाह बाब, अब्दुल फ़रीद, मोहम्मद सोहेब, महराजुद्दिन, मुसतकिम, यूनुस अहमद, मुहम्मद रफीक, मुन्ना खान, अजहर अली व सभी समाज के गणमान्य लोगों ने शिरकत की।

नि:शुल्क मेडिकल फिजियोथेरेपी कैंप का हुआ आयोजन

-आमजन ने लिया निशुल्क स्वास्थ्य लाभ
-कर्बला स्थित हज हाउस में कैंप का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के कर्बला स्थित हज हाउस में जेएनयू हॉस्पिटल के तत्वाधान और जयपुर फिजियोथैरेपिस्ट नेटवर्क के अंतर्गत फ्री फिजियोथेरेपी मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। रविवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक फ्री चेकअप कर त्वरित उपचार किया। फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. मो. रफ़ीक़ और डॉ. एम डी रेहान ने बताया की कार्यक्रम मे राजस्थान खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व राज्यमंत्री अमीन पठान और सीनियर IPS शरत चौधरी सहित कई गणमान्य मौजूद रहे।

फिजियोथेरेपी कैंप का आयोजन-

शरीर के विभिन्न व्यायाम और उनकी सही मुद्राओं के महत्व, दर्द से बचाव और दैनिक कार्यों में सावधानी बरतने के बारे में चर्चा की। फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. मो. रफ़ीक़ और डॉ. एम डी रेहान ने कहा की इस कैंप का उद्देश्य लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और फिजियोथेरेपी के फायदों के बारे में जागरूक करना था। जैसे फिजियोथेरेपी की आवश्यकता विभिन्न प्रकार की शारीरिक समस्याओं, चोटों और बीमारियों से उबरने, दर्द से राहत पाने, शारीरिक कार्यक्षमता बढ़ाने और स्वास्थ्य व फिटनेस में सुधार करने के लिए होती है। खेल की चोटों, हृदय और फेफड़ों की स्थितियों, तंत्रिका संबंधी बीमारियों, पीठ दर्द, गर्दन दर्द, गठिया या मोच जैसी मस्कुलोस्केलेटल समस्याओं के कारण होने वाले दर्द, मधुमेह, हृदय रोग, स्ट्रोक, अस्थमा और कैंसर जैसी दीर्घकालिक या गंभीर बीमारियों में शारीरिक कार्यक्षमता को बनाए रखने और सुधारने में सहायक होती है। विकलांगता को कम करना, मस्तिष्क या रीढ़ की हड्डी में चोट या पार्किंसंस जैसी बीमारियों के कारण आई विकलांगता में गतिशीलता को बेहतर बनाने में मदद करती है।

कोंग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग ने रईस खान को बनाया सहप्रभारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ।अखिल भारतीय कोंग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष (अल्पसंख्यक विभाग) एवं प्रभारी/सह प्रभारी ने राजस्थान में जिला कोंग्रेस अध्यक्ष (अल्पसंख्यक विभाग) के चयन हेतु "संगठन सृजन अभियान" के अन्तर्गत मोहम्मद रईस खान (रईस जालूपुरा) को अजमेर शहर/अजमेर ग्रामीण का सहप्रभारी मनोनीत किया । इस अवसर पर कोंग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक विभाग) के प्रदेश अध्यक्ष एम. डी. चोपदार ने रईस खान को बधाई दी।

आम आदमी पार्टी ने राष्ट्रीय प्रवक्ता घनेंद्र भारद्वाज को राजस्थान का सहप्रभारी नियुक्त किया

दिल्ली/जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आम आदमी पार्टी ने संगठनात्मक मजबूती और प्रदेश में विस्तार के उद्देश्य से राष्ट्रीय प्रवक्ता घनेंद्र भारद्वाज को राजस्थान का सहप्रभारी नियुक्त किया है।

प्रदेश प्रभारी धीरज टोकस ने कहा कि घनेंद्र भारद्वाज के अनुभव से राजस्थान में संगठन विस्तार को नई गति मिलेगी तथा निकाय एवं पंचायत चुनावों की तैयारी को मजबूत दिशा मिलेगी। "अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी ने जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। राजस्थान की जनता बदलाव चाहती है। भाजपा और कांग्रेस की जुगलबंदी से पूरा प्रदेश और देश त्रस्त है। अगले 2-3 दिन में जयपुर पहुंचकर संगठनात्मक जिम्मेदारियों पर कार्य प्रारंभ करूंगा। भाजपा और कांग्रेस के भ्रष्टाचार को जनता के सामने लाने तथा प्रत्येक बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने का काम कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर किया जाएगा।" प्रदेश के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं देवेंद्र शास्त्री, अभिषेक जैन बिट्टू, जुगल किशोर शर्मा, दीपक मिश्रा, कीर्ति पाठक, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल, पूर्व प्रदेश महासचिव विश्वेंद्र सिंह, अर्चित गोयल, मुबारक अली, नानकराम खटीक, राजवीर सिंह, सत्यनारायण देवड़ा, शंकर मेघवाल, अविनाश रांका, अजय चौहान, पीयूष यादव, विश्वामित्र बोहरा, बीरेंद्र चौधरी, रमेश विश्नोई सहित सभी ने इस नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त किया।

भाजपा की ओर से छोटी चौपड़ पर धरना प्रदर्शन

-बिहार में PM मोदी की मां के खिलाफ अपशब्द बोलने पर आक्रोश
-राहुल गांधी, तेजस्वी यादव का पुतला फूंका
-अरुण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, बालमुकुंदाचार्य, कुसुम यादव सहित कई नेता पहुंचे धरने में

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में भारी आक्रोश है। इसी कड़ी में, जयपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने छोटी चौपड़ पर 2 सितम्बर 2025 को जोरदार धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव का पुतला भी फूंका गया। धरना प्रदर्शन में भाजपा के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए, जिनमें पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, विधायक बालमुकुंदाचार्य और महिला मोर्चा की नेता कुसुम यादव प्रमुख रूप से मौजूद थे। प्रदर्शनकारियों ने 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारे लगाते हुए कहा कि यह सिर्फ प्रधानमंत्री की मां का अपमान नहीं है, बल्कि देश की हर मां और महिला का अपमान है। नेताओं ने कहा कि कांग्रेस और राजद का यह कृत्य उनकी ओछी मानसिकता को दर्शाता है और इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि राजनीतिक मतभेदों में व्यक्तिगत और पारिवारिक सदस्यों को निशाना बनाना दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रदर्शन के दौरान, कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और दोनों का पुतला फूंक कर अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने मांग की कि इस मामले में दोषी व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और कांग्रेस-राजद नेतृत्व को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। यह धरना प्रदर्शन शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है और भाजपा ने स्पष्ट कर दिया है कि वे इस मुद्दे को मजबूती से उठाना जारी रखेंगे।

समर्पण संस्था द्वारा "गौरव 2025 अवॉर्ड" के लिए मांगे आवेदन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। समर्पण संस्था की ओर से समाजसेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाले 37 व्यक्तियों को समर्पण समाज "गौरव 2025 अवॉर्ड" से सम्मानित किया जाएगा। देशभर से आवेदन मांगे गए हैं। अंतिम तिथि 15 सितंबर है। 15 प्रतिभावान युवाओं को समर्पण युवा जागृति अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। 9 नवंबर को केंद्रीय संस्कृत विवि त्रिवेणी नगर में होने वाले समारोह के पोस्टर का उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने विमोचन किया। अध्यक्ष डॉ. दौलत राम माल्या, सचिव कमल नयन खण्डेलवाल सहित अन्य मौजूद रहे। ये अवॉर्ड समाजसेवा, शिक्षा, कला, खेल, महिला सशक्तिकरण, आध्यात्म, पर्यावरण, चिकित्सा, सामाजिक न्याय, साहित्य, शोध, आविष्कार सहित 16 कार्य पर दिया जाएगा।

आपदा से प्रभावितों तक जल्द से जल्द राहत पहुंचाना हो सुनिश्चित- जोगाराम पटेल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। वर्षा प्रभावितों तक जल्द से जल्द राहत पहुँचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए प्रशासन को पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य करना होगा। जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल का। जोगाराम पटेल ने यह बात रविवार को जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए की। उन्होंने आपदा के दौरान अपनी जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए मुआवजा स्वीकृति की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार की उपस्थिति में आयोजित बैठक में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति, राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति, प्रभावित जनता को समय पर सहायता उपलब्ध कराने, गिरदावरी और फसल नुकसान के सर्वेक्षण की स्थिति सहित बीमा दावों एवं मुआवजा प्रक्रिया की समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों की निरंतर निगरानी की जाए तथा राहत सामग्री एवं चिकित्सकीय सेवाएं शीघ्रता से उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने फसल हानि एवं पशु हानि का सही आकलन कर प्रभावित किसानों और पशुपालकों को समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। पटेल ने कहा कि राज्य सरकार अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत पहुंचाने के प्रति अत्यंत संवेदनशील है तथा प्रभावित लोगों को राहत देने के लिए सतत प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार प्रत्येक प्रभावित क्षेत्र में आमजन को त्वरित राहत प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। साथ ही, उन्होंने कहा कि वर्षाजनित परिस्थितियों से प्रभावितों तक हर संभव राहत पहुंचाने के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। आपदा में आमजन को राहत देने के लिए अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं जनता का समुचित समन्वय हो और प्रभावितों को त्वरित राहत मिले। हम अतिवृष्टि से उत्पन्न हुई स्थितियों से निपटते हुए प्रभावी व स्थाई समाधान के प्रयास करें। उन्होंने कहा कि पंप सेट, मोटर, पाइपलाइन आदि अतिरिक्त संसाधन लगाए जाकर यथाशीघ्र पानी निकासी करें। पानी भराव से जिन लोगों के घरों में पानी भरा है और उनके रहने में दिक्कत आती है, उनके लिए वैकल्पिक आश्रय स्थल की व्यवस्था की जाकर पानी, भोजन आदि का समुचित प्रबंध किया जाए। इसी के साथ क्षेत्र में पानी भराव से दुर्गंध व बीमारियां फैलने की आशंका को देखते हुए फॉगिंग व जीवाणु नाशक दवाइयों का छिड़काव किया जाए। उन्होंने प्रभावितों को सरकार की तरफ से आश्वस्त किया कि पानी भराव से हुए नुकसान का सर्वे करवाकर यथासंभव सहायता प्रदान की जाएगी। बैठक में पंचगौरव अभियान के अंतर्गत संचालित योजनाओं व गतिविधियों की समीक्षा की गई। आमजन तक संदेश पहुंचाने और अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करने हेतु गांव चलो अभियान, शहर चलो अभियान एवं सहकारिता सदस्यता अभियान की तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

पुलिस थाना गलतागेट द्वारा सरकारी स्कूल में नकबजनी की वारदात का खुलासा

-प्रकरण दर्ज होने के मात्र 12 घंटे के अन्दर ही नकबजनी की वारदात का खुलासा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गालव नगर गणेशपुरी गलता गेट के प्रिंसिपल लालचंद मीणा की ओर से 4 सितंबर 2025 को गलता गेट थाने में विद्यालय से एलईडी चोरी की शिकायत दी गई उच्च अधिकारियों ने प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए हरि शंकर शर्मा सहायक पुलिस आयुक्त रामगंज जयपुर उत्तर के निर्देशन में उदय सिंह पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी पुलिस थाना गलतागेट जयपुर उत्तर के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। नकबजनी की वारदात का खुलासा करने तथा मुल्जिमानो की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु थाना स्तर पर उदय सिंह पुलिस निरीक्षक द्वारा घटना की गम्भीरता को देखते हुये मुल्जिमानो की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु गठित टीम को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। गठित टीम द्वारा घटना स्थल के आस पास दर्जनों सीसीटीवी कैमरे चैक किय गये अथक प्रयासों से प्रकरण दर्ज होने के मात्र 12 घंटे के अन्दर वारदात का खुलासा करते हुये मुल्जिम सुभम गंगवाल को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। प्रकरण में अभियुक्त के साथी मोंटी सिंह तथा गोपी की तलाश जारी है। नाम पता गिरफ्तारशुदा अभियुक्त सुभम गंगवाल पुत्र श्री राधेश्याम गंगवाल उम्र 20 साल जाति खटीक निवासी सर्वे नंबर 552, गणेशपुरी कच्ची बस्ती, गैस गोदाम के पास, थाना गलतागेट जयपुर तरीका वारदात- मुल्जिमान नशे की लत को पुरा करने के लिये रात्रि के समय सुने मकान, स्कूल आदि जगहो की रैकी करते है तथा मकान के ताले तोड कर चोरी की वारदात को अंजाम देते है। तीनों आरोपीयान सुभम गंगवाल, मोंटी सिंह व गोपी ने मिलकर गणेशपुरी स्थित सरकारी स्कूल की रैकी करके अलग अलग वार को कमरो के ताले तोडकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। मुल्जिम सुभम गंगवाल स्कूल के बाहर दिवार के पास खड़े होकर निगरानी करता है तथा आरोपी मोंटी सिंह व गोपी सरकारी स्कूल के अन्दर कमरो के ताले तोडकर कमरों के अन्दर से दो एलईडी चोरी कर लेते।

जयपुर जिले में 70 नवसृजित उचित मूल्य की दुकानों हेतु आवेदन आमंत्रित

- 8 से 30 सितम्बर तक प्रपत्र प्राप्त, 15 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक जमा कराए जा सकेंगे आवेदन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिले में 70 नवसृजित उचित मूल्य की दुकानों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। कार्यालय जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम द्वारा 11 तथा कार्यालय जिला रसद अधिकारी जयपुर द्वितीय द्वारा 59 उचित मूल्य की दुकानों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला रसद अधिकारी त्रिलोकचंद मीणा ने बताया कि आवेदन पत्र 8 सितम्बर से 30 सितम्बर, 2025 तक प्रत्येक कार्यदिवस में प्रातः 9:30 बजे से सांय 6 बजे तक संबंधित कार्यालय जिला रसद अधिकारी से प्राप्त किए जा सकेंगे। आवेदन पत्र भरने के पश्चात् इन्हें 15 सितम्बर से 10 अक्टूबर, 2025 तक प्रत्येक कार्यदिवस में कार्यालय समय में संबंधित कार्यालय में जमा करवाया जा सकेगा। जिला रसद अधिकारी ने स्पष्ट किया कि आवेदन पत्र केवल कार्यालय जिला रसद अधिकारी से निर्धारित प्रपत्र पर छायाचित्र सहित ही स्वीकार किए जाएंगे। अन्य किसी माध्यम जैसे ई-मित्र, टाइपिस्ट अथवा नोटरी बुक स्टोर से प्राप्त प्रपत्र कार्यालय द्वारा स्वीकार नहीं किए जाएंगे। आवेदन पत्र का मूल्य 100 रुपये निर्धारित है, जो निर्धारित शुल्क के डिमांड ड्राफ्ट अथवा भारतीय पोस्टल ऑर्डर के माध्यम से जमा कराने पर ही उपलब्ध होगा।

उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्र की उचित मूल्य की दुकान हेतु आवेदक का उसी वार्ड का निवासी होना आवश्यक है, जिसमें संबंधित उपभोक्ताओं को राशन सामग्री वितरित की जानी है। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र में आवेदक का उसी ग्राम पंचायत के किसी भी ग्राम या वार्ड का निवासी होना अनिवार्य है। एक से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर प्राथमिकता उस आवेदक को दी जाएगी जो उस वार्ड का निवासी होगा, जिसमें दुकान स्थित है। आवेदक को निवास प्रमाण हेतु मतदाता सूची की सत्यापित प्रति, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी पहचान पत्र, आधार कार्ड, जनाधार कार्ड अथवा ड्राइविंग लाइसेंस की स्वप्रमाणित प्रति में से कोई एक प्रस्तुत करना होगा। आवेदन हेतु आवेदक की आयु 21 से 45 वर्ष के मध्य होनी चाहिए तथा आयु प्रमाण हेतु उपरोक्त दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। उन्होंने बताया कि आवेदक की शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम स्नातक होनी चाहिए तथा कंप्यूटर में आरकेसीएल अथवा समकक्ष सरकारी संस्थान का तीन माह का आधारभूत प्रशिक्षण प्राप्त होना अनिवार्य है। स्नातक योग्य अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने पर 12वीं उत्तीर्ण आवेदकों के आवेदन भी स्वीकार किए जाएंगे। जिन आवेदकों के पास कंप्यूटर प्रशिक्षण नहीं है, उन्हें चयनित होने के छह माह के भीतर प्रशिक्षण प्राप्त करने का शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा। समितियों अथवा समूह निकायों द्वारा आवेदन किए जाने की स्थिति में अध्यक्ष/सचिव/प्रबंधक के लिए यह योग्यता एवं दक्षता आवश्यक होगी। इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन प्रक्रिया, अर्हता तथा अन्य नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट https://food.rajasthan.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

सुभाष चौक क्षेत्र में 4 मंजिला जर्जर हवेली भरभरा कर गिरी

-पिता, पुत्री की मौत, 5 घायल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के सुभाष चौक क्षेत्र में 6 सितम्बर को देर रात करीब 1 बजे एक दर्दनाक हादसा हुआ, जब एक चार मंजिला जर्जर हवेली अचानक भरभरा कर गिर गई। इस हादसे में एक पिता और उनकी बेटी की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, एसडीआरएफ (SDRF) और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं। टीमों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और मलबे के नीचे दबे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास किया। कड़ी मशक्कत के बाद, उन्होंने घायलों को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला और उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया। इस दुखद घटना की जानकारी मिलने पर विधायक अमीन कागजी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बचाव कार्यों का जायजा लिया और मृतकों व घायलों के परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। इस हादसे ने एक बार फिर शहर में मौजूद पुरानी और जर्जर इमारतों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

मारपीट और धमकी का मामला, आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। लालकोठी थाना क्षेत्र स्थित सिपाहियान कॉलोनी में एक दुकानदार के नाबालिग बेटे पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता गफ्फार खान ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि 4 सितंबर की शाम लगभग चार बजे उनका 15 वर्षीय बेटा फैजान दुकान पर मौजूद था। उसी दौरान शाकिर और साजिद उर्फ आशु दुकान पर आए और फैजान से मारपीट करने लगे। आरोप है कि दोनों ने फैजान का गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की और उसे दुकान के पास गली में खींच ले गए। शोर सुनकर स्थानीय लोगों ने किसी तरह फैजान को बचाया। इसके बाद घटना की जानकारी मिलने पर फैजान का बड़ा भाई जावेद उसे लेकर लालकोठी थाने जा रहा था, तभी रास्ते में आरोपियों ने उनका पीछा किया और दोनों भाइयों को फिर से पकड़कर मारपीट की। इसमें जावेद भी घायल हो गया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि हमलावरों ने एलानिया धमकी दी कि वे फैजान और जावेद को दोबारा जान से मार देंगे। मामले की जांच हेड कांस्टेबल जुगल किशोर को सौंपी गई है। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।

-संपादक

Scan Here

ईद मिलाद-उन-नबी पर अल-फलाह एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी का ब्लड डोनेशन कैंप सम्पन्न

-शिविर में 165 यूनिट रक्तदान का संग्रहण

कोटा (रॉयल पत्रिका)। ईद मिलाद-उन-नबी के मौके पर अल-फलाह एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी का हजीरे की दरगाह के सामने ब्लड डोनेशन कैंप लगाया गया। जिसमें 165 लोगों ने ब्लड डोनेट किया। सोसायटी अध्यक्ष साबिर खिलजी, कन्वीनर जावेद इकबाल व कैंप संयोजक इरफान खिलजी ने बताया कि इस मौके पर डीवाईएसपी राजेश टेलर, वरिष्ठ भाजपा नेता निजामुद्दीन बब्लू, महीप सिंह सोलंकी, सुनील जायसवाल, कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी प्रहलाद गुंजल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अमीन पठान, कांग्रेस जिलाध्यक्ष रविन्द्र त्यागी, पूर्व प्रधान नईमुद्दीन गुड्, इंसाफ आजाद, आबिद कागज़ी, मोईजुद्दीन गुड्, कार बाजार संरक्षक रहीम खान, जफर ठेकेदार, मोहम्मद हुसैन मुहीम हास्टल, नईम फलाही, सलीम अब्बासी, साजिद जावेद, दिलदार अली, आल राजस्थान जुलाहा (अंसारी) समिति के संयोजक एड. नवीद अशफ़ाक रज़ा भाईजान, सलाम अंसारी, भी उपस्थित रहे। उन्होंने रक्तदान कर रहे सभी लोगों का उत्साह बढ़ाया। सोसायटी के कन्वीनर जावेद इकबाल, सेकेट्री एस एम अय्यूब, खजांची मोहम्मद युसूफ, एम ए खान, युनुस अंसारी, इकबाल अंसारी, रईस खिलजी, आल राजस्थान जुलाहा (अंसारी) समिति के सेक्रेट्री मुख्तार अंसारी, अंजुमन अंसार ट्रस्ट अध्यक्ष शुजाउद्दीन अंसारी, सेक्रेट्री ज़लील अंसारी, मोमिन कांफ्रेंस प्रदेश अध्यक्ष रजाक अंसारी, अंसारी वेलफेयर सोसायटी अध्यक्ष सिराज अंसारी, पी ए एस सदर लियाकत अंसारी, जरगाम अंसारी सहवरित पूर्व पार्षद, इस्हाक मामू, डॉ. सिद्दीक अंसारी अध्यक्ष मुस्लिम वेलफेयर फोरम, एड सलाउद्दीन, डॉ. रईस खान, डॉ. अशफ़ाक अंसारी, हाजी हनीफ, असलम अंसारी, अतीक अंसारी, साबिर अंसारी प्रोपर्टी, जावेद खान प्रोपर्टी, मारुफ खिलजी, मुमशाद अंसारी, उवेश अंसारी, अहसान अंसारी, रऊफ अंसारी, रियाज अंसारी, अनवर अंसारी, जहीर पप्पू आदि ने उपस्थित रह कर प्रोग्राम को कामयाब बनाया।

ऑल इंडिया सीरत कमेटी द्वारा आयोजित 1500 साला मिलादुन्नबी पर जुलूस में उमड़ा आशिक़ों का सैलाब

-सफ़ेद झंडों से दिया शांति व पौधे लगाकर दिया खुशहाली का संदेश

कोटा (रॉयल पत्रिका) पैग़म्बरे इस्लाम का इस वर्ष 1500 साला मिलादुन्नबी (जन्मदिन) आने पर ख़ुशिया चार गुना हो गई। अनुयायियों ने बड़ी संख्या में मुख्य जुलूस ईद मिलादुन्नबी में शिरकत कर 1500 साला मिलादुन्नबी पर मरहबा सद मरहबा के नारे लगाये व दुरूदो सलाम के नग़मे पैग़म्बरे इस्लाम में पेश किए। पूरा माहोल दुरूद की रूहानियत (अध्यात्मिकता) में डूबा रहा। सीरत कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता आसिफ़ ख़ान ने बताया कि ऑल इंडिया सीरत कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना फज़ले हक़ के नेतृत्व में व राष्ट्रीय महासचिव व जुलूस आयोजन कमेटी के अध्यक्ष नियाज़ अहमद निक्कू के तत्वाधान में जुलूस निकाला गया। जुलूस की सरपरस्ती सैय्यद तफ़ज़्ज़ुर्लरहमान, सैयद ज़िया हैदर, मौलाना अलाउद्दीन अशरफ़ी ने की व शहर के उलेमाओ व इमाम, मेहमाने एजाज़ी के तौर पर शरीक हुए। सबसे आगे गाड़ी पर पैग़म्बरे इस्लाम के गुम्बदे खज़रा का नक़्शा गाड़ी पर रखा था जो आकर्षण का केंद्र था। देश प्रेम की भावना से राष्ट्रीय झण्डा गाड़ी पर लगाया गया। एक गाड़ी में माइक पर उलेमाओ द्वारा नात शरीफ़ वे दुरूद शरीफ़ पढ़ी जा रही थी। जुलूस शुरू होने से पूर्व अनार वाले बाबा आकाशवाणी में ऑल इंडिया सीरत कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना फज़ले हक़ व राष्ट्रीय सचिव नियाज़ अहमद निक्कू कमेटी के अधिकारियो के साथ हुज़ूर के गुम्बदे खज़रा के नाम पौधे लगाए व शहर में भी विभिन्न जगहों पर अनुयायियों द्वारा पौधे लगाकर खुशहाली का पैग़ाम दिया गया। जुलूस को व्यवस्थित ढंग से निकालने के लिए जुलूस की ज़िम्मेदारियों 7 हिस्सों में बाँटी गई। 1500 से अधिक ख़िदमतगार वैलेंटियर अपनी ख़िदमत अंजाम दिया। हज़रत ईदु शाह बाबा हजीरा दरगाह के बाहर सब्जीमंडी पर जुलूस जलसे में तब्दील हो गया, जहां उलेमा ए किराम ने पैग़म्बरे इस्लाम की जीवनी पर प्रकाश डाला। ऑल इंडिया सीरत कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना फज़ले हक़ ने बताया पैग़म्बरे इस्लाम ने दुनिया में तशरीफ़ लाकर मज़दूरों ग़रीबों यतीमों का हक़ अदा किया आपने फ़रमाया की मज़दूर की मज़दूरी पसीना सूखने से पहले अदा कर दो। आपने फ़रमाया जो पड़ोसी का हक़ अदा ना करे वो हमारा नहीं। जुलूस आयोजन कमेटी अध्यक्ष राष्ट्रीय महासचिव नियाज़ अहमद निक्कू ने बड़ी संख्या में अवाम के शिरकत करने व व्यवस्थित तरीक़े से जुलूस निकालने के लिए ख़िदमतगारों का शुक्रिया अदा किया और कहा कि पहली मर्तबा जुलूस मार्ग के कुछ हिस्से पर सजावट कर रोशनी की गई आने वाले वर्षों में पूरे रूट को रोशनी से सजाया जाएगा। जलसे को मौलाना अलाउद्दीन अशरफ़ी, मुफ़्ती यामीन, मुफ़्ती शाहबाज़ आलम, मुफ़्ती नोशाद, मौलाना कमरुद्दीन अशरफ़ी , मौलाना रोनक, हाफिज यामीन, मौलाना मक़सूद रज़ा, मौलाना ईदरीस रज़ा ने सम्बोधित किया। हाफ़िज नसीम हाफ़िज हनीफ़, मौलाना कमरुद्दीन अशरफ़ी ने निज़ामत की। आयोजन समिति दानिश ख़ान व कलीम मंटू ने आभार व्यक्त किया।

जमात-ए-इस्लामी हिंद मांगरोल इकाई ने लगाई प्रदर्शनी

मांगरोल (रॉयल पत्रिका)। जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द, मांगरोल की ओर से चलाए जा रहे सीरत अभियान (25 अगस्त से 24 सितंबर 2025) के तहत दिनांक 05 सितंबर 2025 को करबला मैदान, मांगरोल में "हज़रत मुहम्मद सबके लिए" शीर्षक के साथ एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में हैंडमेड पोस्टर्स, फ्लेक्स, मॉडल्स और अन्य माध्यमों के द्वारा हज़रत मुहम्मद साहब के जीवन और उनकी शिक्षाओं को प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शनी का उद्देश्य आम जनता तक हज़रत मुहम्मद साहब के जीवन आदर्श और इंसानियत के लिए उनके संदेश को पहुँचाना था। यह प्रदर्शनी दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक जारी रही, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों और नौजवानों ने भाग लिया। लोगों ने प्रदर्शनी को सराहा और पैगम्बर हज़रत मुहम्मद साहब की जीवनी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द, मांगरोल की ओर से बताया गया कि सीरत मुहिम के दौरान आगे भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे, जिनका उद्देश्य हज़रत मुहम्मद साहब की शिक्षाओं और संदेश को समाज तक व्यापक रूप से पहुँचाना है।

भंवरगढ़ कस्बे की मस्जिद में मुस्लिम समाज द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में 105 यूनिट रक्त का संग्रहण

भंवरगढ़ (रॉयल पत्रिका)। भंवरगढ़ कस्बे के मुस्लिम समाज द्वारा शुक्रवार को जामा मस्जिद में पैगंबर मोहम्मद साहब के यौम पैदाइश के मुबारक मौके पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जिसमें बारां से आईं टीम के सदस्यों ने 105 यूनिट रक्त संग्रह किया। जानकारी के अनुसार इस मुबारक मौके पर कस्बे की जामा मस्जिद में आयोजित शिविर में कस्बे सहित आसपास ग्रामीण क्षेत्र के गांवो से आए नौजवानों ने भाग लेते हुए 105 यूनिट रक्तदान। इस दौरान कस्बे के हिन्द समाज के दर्जनों युवाओं ने हिन्द-मुस्लिम एकता की मिसाल कायम करते हुए रक्तदान शिविर में हिस्सा लेते हुए रक्तदान किया वहीं समाज की दर्जनों महिलाओं ने भी रक्तदान किया। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को कस्बे की जामा मस्जिद में लगाए गए रक्तदान शिविर में कस्बे सहित क्षेत्र के गोरधनपुरा, जैतपुरा, हीरापुर, केलवाड़ा, नाहरगढ़ के मुस्लिम समाज वह अन्य लोगों ने रक्तदान किया राजकीय चिकित्सालय से आई रक्त संग्रह टीम सदस्यों द्वारा डॉ. जय प्रकाश गुप्ता कि मौजूदगी, नर्सिंग ऑफिसर जितेंद्र मीणा, लेब टेक्नीशियन रूप चंद प्रजापति, सुनील यादव, लेब सहायक सत्यनारायण गुर्जर, वाहन चालक राधेश्याम सैनी, वार्ड बॉय अजय ने अपनी रक्त संग्रह में सेवाएं दी। टीम सदस्यों ने 105 यूनिट रक्त एकत्रित किया। इस दौरान समाज द्वारा प्रत्येक रक्तदाता का माला पहना कर स्वागत सत्कार किया वह उपहार देकर सम्मानित भी किया। शिविर के सफल आयोजन के लिए रक्त संग्रह करने वाली टीम का आभार व्यक्त करते हुए सभी रक्त दाताओं का आभार जताया। शिविर में पूर्व वक्फ कमेटी चेयरमैन बारां हाजी लियाकत अली मेव, शेख बहादुर, इदरीस हुसैन, शाकिर हुसैन सरपंच, हैदर अली जेतपुरा, हाफिज अनीस, मुजफ्फर हुसैन, इरशाद अली, सिददीकभाई, शकील अहमद, सलीम भाई, मुखतार भाई हीरापुर, नासिर हुसैन, आशिक अली सहित कई नोजवानो ओर बच्चों का सहयोग रहा।

संस्थागत भ्रष्टाचार की देन है झालावाड़ के पीपलोदी का हादसा

-समय आने पर षड्यंत्रकारियों का भी हिसाब करेंगे- नरेश मीणा

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। एसडीएम थप्पड़ कांड के बाद झालावाड़ अस्पताल में प्रदर्शन और स्टाफ से हाथापाई के तथाकथित आरोपों में उलझे नरेश मीणा को आखिरकार एक महीना 10 दिन जेल में बिताने के बाद रिहाई मिल गई। जेल से बाहर निकालने के बाद नरेश मीणा ने 6 सितंबर 2025 को अपने चित्र परिचित अंदाज में आक्रामक त्यौहार रखते हुए विरोधियों पर जमकर निशाना सधा। नरेश मीणा ने कहा कि उन्हें एक महीने 10 दिन बाद हाईकोर्ट ने सशस्त्र जमानत दी है जिसका वह पूरा सम्मान करेंगे और नियमों की पालना करेंगे। नरेश मीणा ने कहा कि उन पर झालावाड़ मेडिकल कॉलेज के दिन द्वारा काम में बाधा उत्पन्न करने और मारपीट तथा हाथापाई के आरोप लगाए थे जबकि वहां मौजूद प्रत्येक व्यक्ति यह अच्छी तरह जानता है कि वहां प्रदर्शन और आंदोलन पहले से चल रहा था, जिसमें पहुंचने के बाद वह सिर्फ शिरकत कर रहे थे तथा उनकी तरफ से कोई भी ऐसा कदम नहीं उठाया गया जो किसी के लिए परेशानी खड़ी करें। क्रांतिकारी नेता नरेश मीणा ने आरोप लगाया कि पहले उन्हें धारा 151 में पाबंद किया गया और उसके बाद अगले दिन अन्य धाराएं लगाकर फिर से गिरफ्तार कर लिया गया।

षड्यंत्रकारियों से हिसाब करेंगे-

नरेश मीणा कहां की उनके द्वारा मनोहरथाना पीपलोदी हादसे का शिकार दलित और आदिवासी तबके के लोगों के लिए मुआवजे और इंसाफ की मांग की जा रही थी, उनके द्वारा कोई भी गलत कदम नहीं उठाया गया फिर भी एक षड्यंत्रकारी के दबाव में उनको जबरन फंसाया गया ,उन्होंने कहा कि समय आने पर उस षड्यंत्रकारी का भी हिसाब बराबर किया जाएगा।

कम से कम 50 लाख मुआवजा मिले-

नरेश मीणा ने कहा कि उनके द्वारा पीपलोदी हादसे के मृतकों के लिए एक करोड रुपए की मांग की गई थी और वह अपनी उसे मांग पर अभी भी कायम है। उन्होंने कहा कि जब सांप्रदायिक दंगों में मरने वालों को करोड़ों में मुआवजा दिया जाता है, विमान हादसे में मरने वाले धनाढ्य के लोगों को करोड़ों में मुआवजा दिया जाता है तो फिर संस्थागत भ्रष्टाचार की वजह से स्कूल में जान गवाने वाले बच्चों को क्यों नहीं दिया गया।

साथियों ने कहा तो अंता का चुनाव लड़ेंगे-

अंता विधानसभा सीट पर आने वाले दिनों में होने वाले चुनाव को लेकर नरेश मीणा ने कहा कि अभी वह अपने साथियों से विचार विमर्श करेंगे तथा इलाके में सर्वे करवाएंगे उसके बाद यदि समर्थकों ने इजाज़त दी तो वह विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। पार्टी के सवाल पर उन्होंने कहा कि वह फिलहाल निर्दलीय हैं और निर्दलीय ही मैदान में उतरेंगे।

सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ़ इंडिया की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

कोटा (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एस.डी.पी.आई.) की राजस्थान स्टेट कमेटी की बैठक कोटा पार्टी कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष अशफाक हुसैन के नेतृत्व में आयोजित की गई। कमेटी ने हाल ही में पेश किए गए राजस्थान धर्मांतरण विरोधी विधेयक, पुलिस भर्ती में अनियमितताओं, आगामी स्थानीय निकाय चुनावों और अन्य राज्य-स्तरीय जनहित के प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। विस्तृत चर्चा के बाद इन उपरोक्त मुद्दों पर प्रस्ताव पारित किए गए। इस मीटिंग में विभिन्न ज़िलों नवनियुक्त ज़िला अध्यक्ष व महासचिवों का भी अभिनंदन किया गया। बैठक में एसडीपीआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुहम्मद शफी, राष्ट्रीय सचिव रियाज फरंगीपेटे, राज्य महासचिव नदीम अख्तर, अब्दुल हक, सचिव शब्बीर कुरैशी, आबिद हुसैन, ट्रेज़रार ज़ाकिर हुसैन,अब्दुल रज़ाक़ और अन्य प्रमुख नेता उपस्थित थे।

गरीब नवाज़ रिलीफ फाउंडेशन ने ईद मिलादुन्नबी पर अस्पताल में बाँटे फल

कोटा (रॉयल पत्रिका)। 1500वां ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर दावत-ए-इस्लामी इंडिया के वेलफेयर डिपार्टमेंट गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन ने इंसानियत और रहमत के रूप में मनाया। नयापुरा एम बी एस अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल एवं पानी की बॉटल्स वितरित कर उनके दिलों में खुशी पहुँचाई गई। गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन के जिम्मेदार अरशद अंसारी ने बताया कि ईद मिलादुन्नबी के मौके पर हर साल गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन द्वारा पैगम्बर मोहम्मद साहब के जन्मदिन पर फल जरूरतमंदों को तकसीम किए जाते है। इस बार पैगम्बर मोहम्मद साहब का 1500वा जन्मदिन हे इस मौके पर मरीजों और जरूरतमंदों को फल और पानी की बोतले वितरीत किए गए। उन्होंने अस्पताल के मरीजों और उनके परिजनों से मुलाकात कर उनकी सेहतमंदी की दुआ की और मोहब्बत व भाईचारे का संदेश दिया। सीनियर एडवोकेट जाकिर हुसैन एवं आमिर रजा ने बताया कि ईद मिलादुन्नबी का असल पैग़ाम यही है कि इंसानियत की सेवा की जाए, दुखियों का सहारा बना जाए और हर दिल में मोहब्बत के फूल खिलाए जाएँ। इस अवसर पर सीनियर एडवोकेट जाकिर हुसैन, आमिर रजा, मुस्तनिर, हिलाल, सादिक और मदरसे के स्टूडेंट्स ने भी इस नेक काम में हिस्सा लिया।

प्रभारी सचिव ने किया फसल खराबा और गिरदावरी कार्यों का निरीक्षण

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशों की पालना में जिला प्रभारी सचिव टीकमचंद बोहरा ने शनिवार को अन्ता तहसील क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर फसल खराबा एवं गिरदावरी कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से रूबरू होकर खेतों में खड़ी फसलों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। प्रभारी सचिव ने सबसे पहले पटवार मंडल पलायथा के पलायथा गाँव पहुंचकर वहां की फसलों का अवलोकन किया। उन्होंने खेतों में जाकर सोयाबीन एवं अन्य खरीफ फसलों की स्थिति देखी। किसानों ने बताया कि इस बार बारिश अनियमित होने से फसलें प्रभावित हुई हैं, जिससे उत्पादन में भारी कमी की संभावना है। इस पर प्रभारी सचिव ने आश्वस्त किया कि सरकार किसानों के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव राहत दी जाएगी। इसके बाद प्रभारी सचिव बोहरा पटवार मंडल अमलसरा के गोपालपुरा ग्राम पहुंचे, जहां उन्होंने गिरदावरी कार्य की प्रगति देखी। उन्होंने संबंधित पटवारियों एवं राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि गिरदावरी कार्य पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी से किया जाए ताकि वास्तविक हकदार किसानों को ही राहत और मुआवजा मिल सके। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि खेत स्तर पर जाकर नुकसान का सही आकलन करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने किसानों से भी अपील की कि वे गिरदावरी कार्य में राजस्व कर्मियों को सही जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि नुकसान का सटीक मूल्यांकन किया जा सके। इस अवसर पर तहसीलदार मंजूर अली दीवान, राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी सहित ग्रामीण एवं किसान मौजूद रहे।

बारां शहर में अकीदत व सादगी के साथ निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

बारां (रॉयल पत्रिका)। जश्ने-ईद-मिलादुन्नबी का जुलूस शुक्रवार सुबह 9:30 बजे मेला ग्राउंड, बाबा फूल पीर साहब की दरगाह से शहर काजी अब्दुल कय्यूम साहब, जुलूस के सदर मौलाना समीर रजा, सरपरस्त सलाम कादरी, खजांची इरफान खान अशरफी की अगुवाई में निकाला गया। मर्कजी तंज़ीम अहले सुन्नत के पूर्व सदर मोहम्मद आबिद देशवाली ने बताया कि ये जुलूस पैगम्बर ए इस्लाम हजरत मोहम्मद मुस्तफा सललल्लाहो अलैहि वसल्लम की योमें विलादत (पेदाईश) की खुशी में निकाला जाता है। जुलूस मेला मैदान से शुरू होकर मांगरोल दरवाजा, शोपुरियांन मस्जिद, तालाब पाड़ा, अंजुमन चौराहा, भाईजान के मकान के पास होते हुए धर्मादा चौराहा, प्रताप चोक होते हुए कोतवाली थाने के समीप दरगाह बाबा मर्दान गैब साहब के यहां जलसे में तब्दील हो गया। जुलूस में श्रमिक कॉलोनी, आतर का बाग, नयापुरा, लंका कॉलोनी, सरस की टोडी आदि मदरसे के छोटे-छोटे बच्चे "देखो मेरे नबी की शान बच्चा बच्चा है कुर्बान" आदि के नारे लगाते हुऐ चल रहे थे, बड़ी तादाद में लोग सफेद कुर्ता, पजामा, टोपी के साथ जुलूस में शरीक हुऐ। जुलूस का अंजुमन कमेटी, पठान वेलफेयर सोसाइटी सहित विभिन्न संस्थाओं ओर संगठनों ने फूल बरसाकर स्वागत किया, रास्ते में जगह-जगह पानी की छबीले, बिरयानी सहित अलग-अलग तरह का तबर्रुक जुलूस में उपस्थित बच्चों ओर बढ़ों में तकसीम किया गया। बाबा मरदान गैब साहब की दरगाह के बाहर चौक में जलसे में हम्द व नात पढ़ी गई हुज़ूर की सीरत के बारे में बताया गया। जलसे में शहर काजी अब्दुल कय्यूम साहब, अब्दुल मतीन, एडवोकेट फिरोज खान, सरपरस्त सलाम कादरी, खजांची इरफान खान अशरफी, सेकेट्री जावेद भाई, हाफिज मोहम्मद अय्यूब रिज़वी, मोहम्मद आफाक सहारा, पूर्व सदर मोहम्मद आबिद देशवाली, रईसुद्दीन शेख, मुन्ना बाबा, अशफाक मयूर, अफसर राईन, फिरोज अली उर्फ बबलू सर्राफ, कदीर मिर्जा, जोई अलिफ़ अंसारी, समीर मयूर राईन सहित कई लोग मौजूद रहे। अंत में शहर काजी अब्दुल कय्यूम साहब, सदर मौलाना समीर रजा ओर इरफान खान अशरफी ने जुलूस को कामयाब बनाने के लिए कमेटी के तमाम सदस्यों सहित जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

अंता विधानसभा उपचुनाव की तैयारी, जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

बारां (रॉयल पत्रिका)। आगामी समय में होने वाले अंता विधानसभा उपचुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने रविवार को अंता क्षेत्र के बैंगनी, कोटड़ी, सोरसन, मिर्जापुर एवं महात्मा गांधी स्कूल बैंगना स्थित मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद किया और उन्हें मतदान के अधिकार के महत्व के बारे में जानकारी दी। कलक्टर तोमर ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी से होती है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे आगामी उपचुनाव में पूरे उत्साह और जिम्मेदारी से मतदान कर लोकतांत्रिक परंपरा को सशक्त बनाएं। इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु, तहसीलदार दशरथ मीणा, नायब तहसीलदार संदीप वर्मा सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

हाड़ौती के प्रसिद्ध डोल मेले में लगा इस्लाम दर्शन केंद्र

-जमात-ए-इस्लामी हिंद बारां इकाई द्वारा हर वर्ष लगाया जाता है स्टॉल

बारां (रॉयल पत्रिका)। जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द की बारां इकाई ने इस्लाम को जानने और समझने के लिए हाड़ौती के बारां के प्रसिद्ध और ऐतिहासिक डोल मेले में इस्लाम दर्शन केंद्र नाम से एक बुक स्टोल लगया हुआ है, बुक स्टोल का मुख्य उद्देश्य ईश्वर का पैगाम सारे इंसानों में आम करना है। जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द बारां के सदर लईक अहमद ने बताया कि इस्लाम दर्शन केंद्र लगभग पिछले दस सालो से डोल मेले में लगाया जा रहा है, जिसके ज़रिए इस्लाम के पैगाम को लोगो में पहुंचाने की कोशिशें की जा रही हैं और हज़ारों की संख्या में लोग इससे फायदा उठा चुके हैं। इस्लाम दर्शन केंद्र पर इस्लाम धर्म की पवित्र किताब क़ुरान मजीद और इस्लाम के पैगम्बर मोहम्मद साहब (स.अ.व.) की पवित्र जिंदगी पर किताबे उपलब्ध हैं, साथ ही साथ कुरान के गहन अध्ययन ओर इस्लाम को समझने और जानने के लिए ढेरों बुक उप्लब्ध है, इस्लामिक जीवन व्यवस्था को समझने के लिए कई तरह के फ्री फ़ोल्डर भी उपलब्ध है। इस्लाम दर्शन केंद्र पर सभी धर्म और समुदाय के लोग इस्लाम के शांति संदेशो को समझने के लिए काफी संख्या प्रतिदिन केंद्र पर पहुँच रहे है।

प्यार मोहब्बत और आपसी भाईचारा की एक खूबसूरत विदाई एवं सम्मान

-इमाम को विदाई में दिए 31 लाख 50.786 रुपए का नजराना

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। लाडनूं के चीफ शहर काजी सैयद मोहम्मद अली अशरफी साहब के सम्मान में एक अजीमोशान प्रोग्राम बासनी नागौर में रखा गया। जिसमें उनकी दीनी तालीम मदरसे और बड़ी मस्जिद बासनी में पचास साला सेवा इमामत को देखते हुए तीनों मोहल्ले के लोगों एक बड़ा नजराना 3150786 (अक्षरे इकतीस लाख पचास हजार सात सौ छियासी रूपये) पेश किया है। औलमा किराम बासनी सुन्नी तब्लीग़ जमात बासनी, मुफ्तीयाने कराम, अहले सुन्नत व जमात लाडनूं के सादात, औलमा किराम साहेबान और साबिक एम एल-ए-नागौर हबीबुर्रहमान लांबा साहब ने गुलपोशी और साफा पहनाकर कर इस्तकबाल किया और एक एजाज नामा भी दिया गया जिसमें आपकी खिदमत को शुमार किया गया। इस प्रोग्राम में लाडनूं की आवाम और क़ौम कायमखानी, मोयल,बटबोड़ा सिलावटान, छींपान, मेड़तियान सिलावटान, शेख इलाही, मणिहारान, मुस्लिम मोची, शाह कलन्द्रान व सादाते किराम का बहुत बड़ा हिस्सा रहा और बासनी के लोगों की मुहब्बतों के कायल हो गए। इस अवसर पर बासनी सहित दुर दराज के स्थानों के अलावा लाडनूं के गणमान्य नागरिको ने शिरकत की, बासनी के लोगों ने सबकी बढ़-चढ़कर खिदमत की तथा एक सहरानिय मिशाल कायम की है। अपने इमाम से मुहब्बत करना कोई बासनी वालों से सीखे जिन्होंने इतनी बड़ी मिसाल जो एक नजीर बनेगी आने वाली पीढ़ियों के लिए।

रकमा द्वारा पत्रकारिता क्षेत्र में चूरू से मोहम्मद अली पठान को सम्मानित किया गया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन की तरफ से प्रथम प्रतिभा सम्मान समारोह गोयनका टाउन हॉल में रखा गया। जिसके मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ एवं अध्यक्षता की शहर इमाम पीर सैयद मोहम्मद अनवार नदीम उल कादरी ने वशिष्ठअतिथियो में चूरू विधायक हरलाल सहारण, पूर्व मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष हिदायत खान धोलिया, आई पी एस अशफाक हुसैन, आई पी एस जाकिर हुसैन, डॉ. गुलाम हुसैन डिप्टी रजिस्ट्रार राजस्थान टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी कोटा, खादिम हुसैन खत्री अध्यक्ष केजीएन कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग एण्ड हॉस्पिटल सीकर, अतीक अहमद प्रदेश अध्यक्ष रकमा, हाजी अब्दुल हबीब अनवरी पूर्व हज कमेटी चूरू, रोनके स्टेज रहे। जिले भर की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया और अल्पसंख्यक बच्चों को मोटिवेशनल स्पीच दी गई। चूरू से रॉयल पत्रिका के ब्यूरो चीफ मोहम्मद अली पठान को पत्रकारिता क्षेत्र में सम्मानित किया गया। जिले भर से आए हुए सभी प्रतिभाओं को प्रस्तति पत्र एवं मोम्टो देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में काफी संख्या में गणमान्य नागरिक पहुंचे टाउन हॉल खचाखच भर रहा महिलाओं की भी बराबरी की संख्या और भागीदारी रही सभी वक्ताओं ने अल्पसंख्यक के विकास और शिक्षा के क्षेत्र पर जोर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत शहर काजी हाजी अहमद अली शाह ने कुरान-ए-पाक की आयत पढ़कर की। सम्मान समारोह का सफल संचालन संयुक्त रूप से डॉ. शमशाद अली प्रोफेसर एवं मुकुल भाटी प्रिंसिपल एवं मोटिवेशन स्पीकर ने किया।

चलती ट्रेन में बुज़ुर्ग का शुगर लेवल हुआ लो

-युवक ने बाइक पर पहुंचाया इमरजेंसी वार्ड

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर युवक ने बुजुर्ग को समय पर डीबी अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाई। युवक ने बाइक को अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में घुसा दिया। अस्पताल में मौजूद डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ ने उसका इलाज किया। शुगर लेवल हुआ लो दोपहर बीकानेर-दिल्ली सराय रोहिल्ला ट्रेन में चूरू रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में बुजुर्ग भल्लेराम (65) वर्ष का अचानक शुगर लेवल लो हो गया। जिससे वह ट्रेन में बेहोश हो गया। इसी दौरान अपने दोस्त को ट्रेन में छोड़ने के लिए आए एक युवक ने बुजुर्ग को थ्री इडियट फिल्म के सीन की तरह बाइक पर बैठाकर उसे डीबी अस्पताल लेकर गया, जहां युवक ने बाइक को डीबी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में ही घुसा दिया, जहां मौजूद डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ ने तुरंत मरीज की जांच की। जिसमें मरीज का शुगर लेवल लो आया। सूचना के बाद मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार भी अस्पताल पहुंचे और बुजुर्ग का हाल जाना। चलती ट्रेन में बिगड़ी तबीयत फतेहाबाद (हरियाणा) निवासी रण सिंह ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ बाबा रामदेव के दर्शन कर वापस लौट रहा था। तभी बीकानेर से दिल्ली जाने वाली ट्रेन में बैठ गया। चूरू में ट्रेन पहुंचने पर उसके पिता भल्लेराम की तबीयत बिगड़ गई। उसके पिता शुगर के मरीज हैं। जिनकी शुगर की दवाई चलती है। वह ट्रेन में बेहोश हो गए और उनका शरीर ठंडा हो गया। ट्रेन चूरू से चल चुकी थी। तभी परिवार के लोगों ने ट्रेन की चेन खींचकर उसको रोक लिया। इसी दौरान इसी ट्रेन में अपने दोस्त को छोड़ने के लिए प्लेटफॉर्म एक युवक आया हुआ था। जो शोर शराबा सुनकर मौके पर पहुंचा। तभी बाइक सवार युवक ने बुजुर्ग को अपनी बाइक पर पीछे की सीट पर बैठाकर डीबी अस्पताल के लिए रवाना हुआ। जहां युवक अपनी बाइक को लेकर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में ही पहुंच गया। प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार ने युवक की तारीफ की मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार ने बताया कि बुजुर्ग को अस्पताल पहुंचाने वाले बाइक सवार युवक धन्यवाद का पात्र है। आज उसने एक बुजुर्ग की जान बचाकर मानवता का परिचय दिया हैं। उन्होंने आमजन से अपील की है कि इस स्थिति में कोई भी व्यक्ति घायल या बीमार आदमी को अस्पताल तक जरूर पहुंचाए। जिससे एक जान को बचाया जा सके। फिलहाल बुजुर्ग अस्पताल में भर्ती है। जहां उसकी हालत अब खतरे से बाहर है।

गीतांजली हॉस्पिटल– मदर एंड चाइल्ड केयर विभाग द्वारा महिला स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। उदयपुर के मदर एंड चाइल्ड केयर विभाग की ओर से महिला स्वास्थ्य और निःशुल्क प्रसव सेवाओं को लेकर विशेष जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मिराज मल्हार, रामेश्वरम अपार्टमेंट, अरावली हाइट्स और शुभलक्ष्मी अपार्टमेंट परिसर में संपन्न हुआ। अभियान के दौरान प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नलिनी शर्मा, डॉ. अनुपमा हाड़ा, डॉ. अर्चना शर्मा, और डॉ. दिव्या चौधरी ने महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं। विशेषज्ञों ने निःशुल्क डिलीवरी सेवाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए महिलाओं को समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाने की सलाह दी। गीतांजली हॉस्पिटल ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी जागरूक करने का कार्य निरंतर जारी रहेगा।अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: 9116170338

पैगम्बर हजरत मोहम्मद स.अ.व. के 1500 वे जन्मोत्सव पर पाली में "नबी की आमद मरहबा, आका की आमद मरहबा" सहित कई नारे गूंज उठे

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। ईद मिलादुन्नबी के जुलूस में सुबह से ही नाड़ी मोहल्ला में ट्रेक्टर, खुली जीप, बाइक पर सवार होकर मुस्लिमजन पहुचे। जहाँ सर्वप्रथम पाली के आइमा-ए-मसजिद एवं मुफ़्ती ज़ाकिर हुसैन नईमी (यूपी) ने अपने बयान तकरीर में तमाम आलम-ए-इंसानियत को ईद-ए-मिलादुन्नबी मुबारकबाद देते हुए कहा कि मोहम्मद साहब ने इंसानियत के लिये रहमत, हज़रत मुहम्मद (स.अ.व.) ने पूरी दुनिया में अमन, बराबरी और ग़रीबों की हिमायत का पैग़ाम दिया। औरतों को उनके हक़ दिलाये और बहुत सी सामाजिक बुराइयों को दूर करके एक मुकम्मल निज़ाम-ए-हयात अता किया। कार्यक्रम में ईद मिलादुन्नबी पर मोहल्लों में सजावट एवं विभिन्न झांकियों में प्रथम इंदिरा कॉलोनी तथा खरादियो की गली, द्वितीय बुसी गली एवं तृतीय स्थान अरान अली डायर नाड़ी मोहल्ला को, मोहल्ला सजावट में जंगीवाड़ा चौक प्रथम, द्वितीय सिपाहियों का बास, तृतीय छिपो का हेटला बास जाकिर हुसैन रोड़, मकान सजावट में अबरार हुसैन प्यारा चौक को अंजुमन सीरतुन्नबी के सदर हाजी मोहम्मद रफिक गौरी ने शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मनित किया। यह जानकारी देते हुए अंजुमन सीरतुन्नबी के प्रवक्ता आमीन अली रंगरेज़ ने बताया कि जुलूस नाड़ी मोहल्ला मिलाद चोक से रवाना होकर केरिया दरवाजा, बादशाह का झंडा, गजानन्द मार्ग, जंगीवाड़ा, नवलखा रोड, प्यारा चोक, रुई कटला, उदयपुरिया बाजार, सर्राफा बाजार, बादशाह झण्डा होते हुए पुनः नाड़ी मोहल्ला पहुंचकर सम्पन्न हुआ। रास्ते मे अंजुमन सीरतुन्नबी कमेटी के पदाधिकारियों एवं जुलूस का विभिन समाजिक संस्थाओं द्वारा जगह-जगह पर एवं सर्राफा बाजार में हिन्द समुदाय के पाली अधिकमास परिक्रमा संघ द्वारा स्वागत किया गया। जुलूस की व्यवस्थाओं को लेकर कमेटी के सदर हाजी मोहम्मद रफ़ीक गौरी, मुस्लिम समाज सदर हकीम भाई, विधायक भीमराज भाटी, हाजी महबूब टी, सय्यद रमज़ान, सेकेट्री सईद अंसारी, पूर्व पार्षद आमीन अली रंगरेज़, इंसाफ सोलंकी, मेहबूब खिंवाड़ा, यूसुफ असरफी, शकील अहमद नागोरी, इस्माईल खान छिपा, फरीद खान छिपा, मकसूद चुड़ीगर, हसन भाटी, हाजी इसराइल खत्री, जावेद जिलानी सहित दर्जनों सदस्यो ने सहयोग दिया।

जुलूस-ए-मोहम्मदी ऐतिहासिक यादगार के साथ निकाला

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पैगंबर इस्लाम के 1500 साल जन्मदिवस ईद मिलादुन्नबी पर अहले सुन्नत व जमात की ओर से वार्षिक जुलूस-ए-मोहम्मदी प्रातः 10:00 बजे शहर इमाम सैय्यद मोहम्मद अनवार नदीम उल कादरी की अगुवाई में शहर के मुख्य मार्ग नई सड़क, स्टेशन रोड, धर्म स्तूप पुरानी सड़क से माल जी का कमरा से पुनः मदरसा मदीना पहुंचा। इसी क्रम में जुलूस प्रारंभ से पूर्व एक जलसे का आयोजन हुआ, जिसमें शहर इमाम सैय्यद मोहम्मद अनवार नदीम उल कादरी ने कहा कि पैगंबर इस्लाम पूरे आलम-ए-इंसानियत के लिए भेजे गए। आपने सभी प्राणी मात्र से मोहब्बत का पैगाम दिया हमें उनके उपदेशों पर अमल करना चाहिए। राजस्थान पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ संबोधित करते हुए कहा कि पैगंबर साहब ने अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को भी गले से लगाया और मुख्यधारा से जोड़ा और जो बुराइयां थी उनको मिटाकर एक नई रोशनी जगाई हमे उनके आदर्शों को अपनाना चाहिए। जलसे को चूरु विधायक हरलाल सहारण, वरिष्ठ कांग्रेस नेता हाजी रफीक मंडलिया, प्रोफेसर डॉ. जेबी खान, भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, एडवोकेट शब्बीर, अजीज खान पार्षद, महाराष्ट्र हज कमेटी के सदस्य शकील काजी, सैयद गुलाम मुस्तफा, पूर्व चेयरमैन नगर परिषद गोविन्द महनसरीय, नारायण बालान, यूथ जिला अध्यक्ष आसिफ खान, सत्तार खान चायल, मोहम्मद अली पठान आदि अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन इदरीस राज खत्री ने किया। जुलूस-ए-मोहम्मदी ज्यों ही नई सड़क पर पहुंचा सामाजिक संस्थाओं व्यापारिक प्रतिष्ठानो, द्वारा स्वागत द्वार लगाकर पुष्प वर्षा कर गरम जोशी से स्वागत किया गया। इसी क्रम में पुरे मार्ग पर शरबत, पानी मिठाइयां, फल आदि वितरित किए जुलूस में मदरसे के बच्चे पैगंबर साहब के संदेशों लिखी तख्तियां लेकर चल रहे थे युवा का जोश देखते ही बनता था धार्मिक ध्वज के साथ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा बड़े सम्मान के साथ लेकर चल रहे थे। धार्मिक घोष देखो हमारे नबी की शान, सबसे प्यारा वतन हमारा, नूर वाला आया है। से पूरा वातावरण गुंजायमान हो गया जुलूस-ए-मोहम्मदी में शहर भर के मदरसों के आलिमों ने भाग लिया। मदरसा सैयद तौकीर उलूम के तालिबे इल्म एवं आलीमो ने जुलूस में बड़ी ही अकीदत के साथ शिरकत की सदर हाजी उस्मान खान दिलावर खानी, शहर काजी हाजी अहमद अली शाह जुलूस में शामिल हुए। खानका-ए-कादरिया के पीठाधीश्वर सैय्यद अबरार हुसैन कादरी ने इस सफल आयोजन पर सभी सामाजिक संस्थाओं और प्रशासन को आम जनता को साधुवाद दिया शहर इमाम सैय्यद मोहम्मद अनवार नदीम उल कादरी ने मुल्क में अमन ओ शांति भाईचारे खुश हाली की दुआ की अंत में दुरूदो सलाम पढ़ा गया ।

1500वीं जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर 125 लोगों ने किया रक्तदान

-समस्त अखाड़ों के उस्तादों का हुआ सम्मान

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। 1500वीं जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी की ओर से शुक्रवार को जालोरी गेट स्थित तात् पार्क में आयोजित स्वैच्छिक विशाल रक्तदान शिविर में 125 लोगों ने रक्तदान किया। मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक ने बताया कि इस कैम्प में हिन्द-मुस्लिम युवाओं, महिलाओं एवं आमजन ने बढचढकर हिस्सा लिया। लोगों में रक्तदान के प्रति जागृति फैलाने और जरूरतमंद के काम आने के मक़सद से पिछले 22 वर्षो से ये नेक कार्य हमारे आख़री नबी मोहम्मद सल्लललाहो अलैहेवसल्लम के जन्म दिवस पर किया जा रहा है। शिविर संयोजक मोहम्मद साबिर ने बताया कि समस्त रक्तदाताओं की हौंसला अफजाई करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र भेंट किये गये एवं समस्त अखाड़ों के उस्तादों का भी जुलूस में साफा पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया। उन्होंने बताया रक्तदाताओं के लक्की ड्रॉ में चांदणा भाखर निवासी लोडिंग टैक्सी चालक अफजल का नाम निकला। इन्हें मक्का-मदीना की उमराह धार्मिक यात्रा का हवाई टिकट निःशुल्क प्रदान किया जायेगा। शिविर में मुख्य रूप से पूर्व शहर विधायिका मनीषा पंवार, सूरसागर प्रत्याशी शहजाद खान, उस्ताद हमीम बख्श, उस्ताद यासीन बेलिम, उस्ताद सुबराती खां, यूनाईटेड उम्माह सोसायटी अध्यक्ष अब्दुल रहीम सांखला, सचिव अब्दुल रशीद अंसारी, ईद मिलादुन्नबी जलसा समिति के अध्यक्ष हाजी हमीम बक्ष, राजू बक्ष, डॉ. नदीम बक्ष, फिरोज खान, अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महसंघ अध्यक्ष मोहम्मद आरिफ, सचिव अकमल नईम, शिक्षाविद् इकबाल अली रंगरेज, मोहम्मद शाहिद, रशीद खिलजी, रसूल बक्स, मोहम्मद अनवर, रहमतुल्लाह खान, नियामत उल्लाह खान, युवा नेता कलीम कायमखानी, समाजसेवी जावेद हुसैन ईदगाह, द रॉयल ग्रुप ब्लड सेवा संस्थान वसीम अकरम, तौसिफ भाटी, सनवर अली, मोहम्मद साबिर एमजीएच, मोहम्मद कासिफ एमडीएम, सेवा भारती सम्पादक गुलाम मोहम्मद, महका संसार सम्पादक इम्तियाज अली, टाइमटीवी सम्पादक शेरूद्दीन खान, मोहम्मद आबिद, निसार अहमद खिलजी, मोहम्मद अफजल कुरैशी, शम्सूद्दीन चुंदडीगर, सागर खान सिंधी, आरिफ चुंडीगर, असलम मंसूरी, असलम चुंदडीगर, रफीक खोखर, जाकिर चुंदडीगर, इम्तियाज चुंदडीगर, मौलाना आज़ा यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स डीन डॉ. सैयद मोईनउलहक, मोहम्मद इकबाल, अब्दुल कादिर, मोहम्मद अय्यूब, शौकत बख्स सहित मारवाड़ समस्त मुसिलम समाज फेडरेशन एवं शहर की अन्य मुस्लिम बिरादरियों के कई प्रतिनिधि, गणमान्य लोग एवं आमजन मौजूद रहें। कैम्प की सफलता में राज बल्ड बैंक के अर्पित चौहान, वसीम अकरम, सोहेल खान, यूनाईटेड उम्माह वेलफेयर सेसायटी, द रॉयल ग्रुप ब्लड सेवा संस्थान एवं मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी स्टॉफ स्टूडेन्ट का खास सहयोग रहा। संचालन रेल्वे सीनियर गार्ड नईम शेख ने किया। अंत में मुल्क की खशहाली, तरक्की व मुश्किल परिस्थितियों में एक-दूसरे के काम आने की दुआएं की गई।

गीतांजली हॉस्पिटल द्वारा" वर्ल्ड हार्ट डे" जागरूकता माह की शुरुआत

-वरिष्ठ नागरिकों को बताए दिल को स्वस्थ रखने के उपाय

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली हॉस्पिटल की ओर से सितंबर माह में आने वाले वर्ल्ड हार्ट डे के उपलक्ष्य में जनजागरूकता गतिविधियाँ शुरू हो चुकी हैं। इसी क्रम में इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. रोहिन के. सैनी ने महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्थान के 19वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में भाग लिया, जो कृष्णा वाटिका में आयोजित हुआ। इस अवसर पर डॉ. सैनी ने वरिष्ठ नागरिकों को हृदय को स्वस्थ रखने के उपाय बताए और उपस्थित लोगों के साथ प्रश्नोत्तर सत्र भी रखा। कार्यक्रम के दौरान महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्थान के सदस्यों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया तथा बीपी और शुगर की जांच भी की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत सुंदर कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें कवयित्री डॉ. कविता किरण ने सरस्वती वंदना से शुरुआत की और हास्य कवि पंडित सुनील व्यास ने अपनी रचनाओं से सभी को गुदगुदाया।

जिले में बाल संरक्षण कार्यों की समीक्षा बैठक

-न्यायाधिपति गर्ग एवं कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने किया झुंझुनू का दौरा

झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति के अध्यक्ष न्यायाधिपति मनोज कुमार गर्ग एवं सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने बाल संरक्षण के क्षेत्र में जमीनी स्तर पर हो रहे कार्यों की समीक्षा के लिए झुंझुनू का दौरा किया। राजस्थान उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति के वरिष्ठ सलाहकार राकेश कुमार चौधरी ने बताया कि किशोर न्याय अधिनियम 2015 के आलोक में राजस्थान उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति के अध्यक्ष न्यायाधिपति मनोज कुमार गर्ग द्वारा राजस्थान के सभी जिलों में बाल संरक्षण की स्थिति की समीक्षा करने की उद्देश्य से नियमित रूप से दौरे किये जा रहे हैं। अभी तक जयपुर, जोधपुर, दौसा, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, राजसमंद, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बीकानेर, पाली, नागौर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, जालौर, सिरोही, डूंगरपुर, उदयपुर, चुरू, बाड़मेर, अजमेर एवं जैसलमेर, कोटा, सीकर का दौरा किया है। इसी क्रम में आज राजस्थान उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति के अध्यक्ष न्यायाधिपति मनोज कुमार गर्ग एवं सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने संयुक्त रूप से झुंझुनू जिले में बाल अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित राजकीय संप्रेक्षण एवं किशोर गृह, शिशु गृह किशोर न्याय बोर्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा अनुदानित एवं मां सेवा संस्थान द्वारा संचालित मानसिक विमंदित एवं पुनर्वास गृह राजकीय सावित्रीबाई फुले महाविद्यालय स्तरीय कन्या छात्रावास का निरीक्षण किया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आशा का झरना संस्थान में बच्चों को टीएलएम किट वितरित किए। न्यायाधिपति गर्ग एवं कैबिनेट मंत्री गहलोत ने गृह में आवासित बालको से संवाद करते हुए उनको उपलब्ध करवायी जा रही सुविधाओ के बारे में उनसे जानकारी प्राप्त की गृह में उनके शैक्षणिक, शारिरिक, मानसिक सहित सर्वांगीण विकास हेतु किये जा रहे कार्यो की समीक्षा करते हुए गृह में दी जा रही समस्त सुविधाओ की सराहना की। किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष लम्बित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए।

घग्घर में अधिक पानी की आवक के मद्देनजर जिला कलेक्टर ने किया निरीक्षण

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। घग्घर में अधिक पानी की आवक के मद्देनजर जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव, एसपी हरी शंकर ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ मुंडा, नौरंगदेसर, जोरावरपुरा में जीडीसी का निरीक्षण किया। उन्होंने इस मौके पर तटबंधों की मजबूती, पानी की आवक, निगरानी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला कलेक्टर ने मौके पर मौजूद ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों से व्यवस्थाओं और घग्घर में पानी की आवक, तटबंधों के मजबूतीकरण को लेकर फीडबैक भी लिया। इस मौके पर ग्रामीणों को जरूरी सावधानी बरतने, आधिकारिक सूचना पर विश्वास करने और आपदा की स्थिति में तुरंत कंट्रोल रूम 01552-260299 से संपर्क करने संबंधित जागरूक किया। इस मौके पर एसडीएम मांगीलाल सुथार, सीओ मीनाक्षी, जल संसाधन विभाग के अधिशासी अभियंता नरेंद्र शर्मा, सहायक अभियंता निरंजन कटारिया भी मौजूद रहें।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/992844315

क्या कभी इस बात का अफसोस होता है कि बेटी को समय नहीं दे पाए?

अगर कोई कहता है कि ऐसा नहीं होता, तो वह सच में किसी और दुनिया में जी रहा है। अगर पति-पत्नी दोनों कमाते हैं, तो किसी तरह से बच्चे की देखभाल का रास्ता निकाल ही लेते हैं। लेकिन अगर सिर्फ एक बाहर काम कर रहा है, तो उसके लिए यह अफसोस और भी गहरा होता है। ये एक अलग तरह का दर्द है और साथ ही मजबूरी भी है।

मायानगरी छोड़ना चाहते हैं मनोज बाजपेयी?

मनोज बाजपेयी की फिल्म इंस्पेक्टर जेंडे 5 सितंबर को ओटीटी पर रिलीज हो गई है। इसके अलावा मनोज बाजपेयी 27 साल बाद राम गोपाल वर्मा के साथ भी काम कर रहे हैं। अभिनेता ने इन दोनों फिल्मों, करियर और निजी जीवन पर विस्तार से बात की।

'इंस्पेक्टर जेंडे' ऑफर होने पर आपकी पहली प्रतिक्रिया क्या थी?

जब स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए मिली तो लगा कि यह कोई सीरियस गंभीर थ्रिलर फिल्म होगी। जैसे पुलिस वाले की परेशानियों भरी कहानियां होती हैं, लेकिन जब पढ़ना खत्म किया तो मजा आ गया। मैं खुद चौंका क्योंकि बार-बार हंसी आ रही थी। कहानी में कॉमेडी बिल्कुल जबरदस्ती ठूंसी हुई नहीं लगी। यह सब पढ़कर लगा कि इसमें एक्टिंग करते समय खुद से भी बहुत कुछ नया करने का मौका मिलेगा।

बतौर एक्टर कई गंभीर रोल करने के बाद जब ऐसी हल्की-फुल्की फिल्में करते हैं, तो क्या कोई फर्क महसूस होता है?

हां, फर्क तो पड़ता है। चाहे मैं हल्का रोल करूं या गंभीर, मेरी कोशिश रहती है कि घर जाकर सामान्य रहूं। लेकिन सच में ऐसा हो नहीं पाता। मेरी जिंदगी कहीं न कहीं सेट से जुड़ जाती है। शूटिंग के दौरान मेरी हमेशा कोशिश रहती थी कि जल्दी घर पहुंच जाऊं। लेकिन मुंबई का ट्रैफिक बड़ा झंझट है। शाम को निकलने पर जब तक घर पहुंचता हूं, फैमिली सो चुकी होती है। मेरी बेटी जब छोटी थी तो मेरा इंतजार करते हुए सो जाती थी। फिर जब मैं घर पहुंचता तो वो उठ जाती थी और फिर उसे सुलाना मुश्किल हो जाता था। ऐसे में फिर मैंने होटल में रहना शुरू किया। अगर शूटिंग मुंबई में भी हो, तो मैं घर न जाकर सेट के पास वाले होटल में ठहरता हूं। इससे मेरा रूटीन बना रहता है।

किस रोल से बाहर आने में सबसे ज्यादा वक्त लगा?

मेरे साथ यह अनुभव 'शूल' के समय हुआ था। उस समय हमें यह तो समझ आ गया था कि किरदार में कैसे जाया जाता है, लेकिन यह नहीं पता था कि उससे कैसे बाहर निकला जाए। मेरी पर्सनैलिटी भी ऐसी रही है कि अगर किसी ने कुछ कह दिया, तो वह दिमाग में घूमता रहता था। इग्नोर करना मुझे आता ही नहीं था। सत्या के 'भीकू मात्रे' के किरदार से निकलने में भी काफी वक्त लगा। यहां तक कि उस दौरान मैं ज्यादा गालियां देने लगा था और गुस्सा भी ज्यादा आने लगा था। उसे छोड़ने में काफी मेहनत लगी। बाद में जब अनुभव बढ़ा, तो बाकी रोल्स के साथ यह समझ भी आ गई कि किरदार से कैसे बाहर निकला जाए। लेकिन 'शूल' वाला रोल मेरे लिए सबसे मुश्किल था।

डू यू वाना पार्टनर में

अभद्र भाषा के इस्तेमाल पर बोलीं श्वेता तिवारी

वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया था। इसमें तमन्ना भाटिया के साथ डायना पेंटी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह भी अहम किरदार में दिखाई देंगे। सीरीज में दो लड़कियों की कहानी है, जो अपना खुद का स्टार्टअप शुरू करने निकली हैं। इसके लिए उन्हें निवेशकों की जरूरत है। 'डू यू वाना पार्टनर' में अभिनेत्री श्वेता तिवारी भी हैं। उनके किरदार का नाम लैला है। वह एक दबंग महिला गैंगस्टर है। अपने किरदार को रियल बनाने के लिए उन्हें कुछ अभद्र भाषा का प्रयोग भी करना पड़ा। इस सीन को करते समय श्वेता को काफी मुश्किलें हुई। ऐसे में तमन्ना भाटिया ने आगे बढ़कर उनकी मदद की, उस पल को वो कभी नहीं भूल पाएंगी।

श्वेता तिवारी ने सीन को याद करते हुए कहा, सीरीज में एक सीन है, जहां मुझे खूब अभद्र भाषा का प्रयोग करना था। इसे करते समय मैं वाकई में कांप रही थी। सबके सामने ऐसा करना मेरे लिए सहज नहीं था। मैं कोशिश कर रही थी, लेकिन मुझसे हो नहीं रहा था। तभी, तमन्ना भाटिया आगे आईं और मेरा हाथ पकड़कर जोर-जोर से डायलॉग बोलने लगीं। तमन्ना भाटिया ने ही उन्हें उस सीन को पूरा करने के लिए प्रेरित किया, वह उस मुश्किल वक्त में श्वेता के साथ खड़ी रहीं। अभिनेत्री ने बताया कि तमन्ना की वजह से ही मैं यह सीन कर पाई। जिस तरह से उन्होंने श्वेता को सीन करने में मदद की, उसे वो कभी नहीं भूल पाएंगी। श्वेता ने कहा कि यह सीरीज बहुत ही दिलचस्प है, जो दर्शकों को बहुत पसंद आएगी।

यह सीरीज धर्माटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी है, जिसके निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता हैं। इस सीरीज का निर्देशन कॉलिन डी'कुन्हा और अर्चित कुमार ने किया है। इसकी पटकथा नंदिनी गुप्ता, आर्ष वोरा और मिथुन गंगोपाध्याय ने लिखी है। शोमेन मिश्रा और अर्चित कुमार सीरीज के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। डू यू वाना पार्टनर का प्रीमियर 12 सितंबर को प्राइम वीडियो पर किया जाएगा।

अली गोनी को एक्ट्रेस निया शर्मा ने किया सपोर्ट

टीवी एक्टर अली गोनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह गणेश उत्सव के दौरान गणपति बप्पा मोरया का जयकारा नहीं लगाते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में उनके साथ निया शर्मा और जैस्मिन भसीन भी दिखाई दे रही हैं। इसके बाद अली को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। अब इस मामले में निया शर्मा ने रिएक्शन देते हुए एक्टर का सपोर्ट किया है। निया शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अली और जैस्मिन के साथ एक फोटो शेयर की। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, किसी के त्योहार का हिस्सा बनना ही अपने आप में सबसे बड़ा सम्मान है। और हम भारत में गणपति, ईद और हर त्योहार को एक जैसी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाते हैं।

जानें क्या है पूरा मामला?

मुंबई में हुए गणपति उत्सव के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इन क्लिप्स में देखा गया कि जहां जैस्मिन भसीन और उनके दोस्त जोश से बप्पा के नाम के जयकारे लगा रहे हैं, वहीं अली गोनी चुपचाप एक ओर खड़े नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आते ही अली गोनी को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाने लगा। एक यूजर ने लिखा, इतना अनकंफर्टेबल फील हो रहा है तो आया क्यों? जैस्मिन को सोचना चाहिए। वहीं एक अन्य ने कमेंट किया, जब बोलना नहीं था तो आया ही क्यों? इसके अलावा भी कई यूजर्स ने इस पर प्रतिक्रिया दी।

'धमाल-4' की शूटिंग पूरी, जानिए फिल्म कब होगी रिलीज

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धमाल-4' साल 2026 की ईद पर सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। मेकर्स ने फैंस को खास अंदाज में ये जानकारी दी। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार पोस्ट के जरिए शूटिंग पूरी होने की घोषणा दी, जिसमें अखबार नुमा चित्र है और उस पर 'धमाल टाइम्स' और 'ब्रेकिंग न्यूज' लिखा हुआ है। अभिनेता ने इस पोस्ट को कैप्शन दिया, आज की ताजा खबर आपके लिए लेकर आ रहे हैं, वो गैंग जो अब जल्द ही लूटने आ रहे हैं आपका दिल और दिमाग। 'धमाल-4' ईद 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। टी-सीरीज ने भी यह पोस्ट अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, ये स्वाइप करते-करते आप कश्मीर से कन्याकुमारी तक पहुंच सकते हो, पर क्या करें? खबर ही ऐसी है, धमाल 4 की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अब मजेदार धमाल शुरू होगा! ईद 2026 में मिलते हैं! इसी के साथ ही अभिनेत्री ईशा गुप्ता, अरशद वारसी, रितेश देशमुख और बाकी कलाकारों ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया है। फिल्म में अजय देवगन के साथ संजय मिश्रा, ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पटकर और रवि किशन जैसे शानदार कलाकार शामिल हैं। इंद्र कुमार द्वारा निर्देशित फिल्म को टी-सीरीज, देवगन फिल्म्स, मारुति इंटरनेशनल और पैनोरमा स्टूडियोज के बैनर तले बनाया गया है और इसका निर्माण अजय देवगन, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अशोक ठकेरिया, इंद्र कुमार, आनंद पंडित और कुमार मंगत पाठक मिलकर कर रहे हैं।

माता-पिता के अलग होने के लिए खुद को जिम्मेदार मानती थीं अंशुला

अंशुला कपूर अभिनेता अर्जुन कपूर की बहन और बोनी कपूर की पहली पत्नी मोना शौरी की बेटी हैं। हालांकि, श्रीदेवी से शादी के बाद बोनी कपूर और मोना की शादी टूट गई और दोनों अलग हो गए। अब अंशुला ने अपने माता-पिता के अलग होने के वक्त को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे माता-पिता के अलगाव का असर उनके बचपन पर पड़ा था और कई वर्षों तक वो खुद को इसके पीछे की वजह मानती रहीं।

खुद को दोषी समझती थीं अंशुला

बातचीत के दौरान अंशुला ने बताया कि कई साल तक मुझे यह समझ ही नहीं आया कि आखिर मेरे माता-पिता अलग क्यों हो गए। उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता के अलग होने के बाद शायद 5-6 साल की उम्र में मुझमें आत्मविश्वास की कमी आ गई। मैंने लंबे समय तक यही सोचा कि मेरे माता-पिता का रिश्ता मेरी वजह से नहीं चल रहा और इनके अलग होने की असली वजह मैं हूं। छह साल की बच्ची के लिए इतना बोझ उठाना बहुत बड़ी बात है। लेकिन मेरी मां ही थीं जिन्होंने मुझे यह समझने में मदद की कि रिश्ते दो लोगों के बीच होते हैं। वे उन दो लोगों के बीच होने वाली घटनाओं से शुरू और खत्म होते हैं। एक बच्चे के रूप में आपका उन पर कोई असर नहीं होता।

इस इवेंट में बतौर ज्यूरी मेंबर शामिल हुईं दीपिका

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुईं। अभिनेत्री बतौर ज्यूरी मेंबर इवेंट का हिस्सा बनीं और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए दीपिका ने अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिनमें बेहद स्टाइलिश लग रही हैं। अपने अंदाज और स्टाइल से दीपिका ने फैंस का दिल जीत लिया है। दीपिका ने अपने फैशन सेंस और स्टाइल से न सिर्फ फैंस को दीवाना बनाया है, बल्कि ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर भारत का नाम भी ऊंचा किया है। दीपिका ने स्वीडिश डिजाइनर एलेन होडकवा लार्सन को मेन प्राइज प्रेजेंट किया, साथ ही सभी विनर्स को बधाई दी हैं।

अनुपम खेर ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के भाषण पर जताया आभार, कहा- 'भारत हमेशा सर्वोपरि रहेगा'

बॉलीवुड में ऐसे कई अभिनेता हैं जिन्होंने अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीता है, लेकिन कुछ कलाकार ऐसे भी होते हैं जो सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, असल जिंदगी में भी लोगों के दिलों में खास जगह बना लेते हैं। अनुपम खेर ऐसे ही कलाकारों में गिने जाते हैं। उन्होंने कई फिल्मों में कभी गंभीर, कभी हास्य भरे, और कभी भावुक कर देने वाले जैसे अलग-अलग किरदार निभाए हैं। लेकिन इन सबके बीच जो बात उन्हें सबसे अलग बनाती है, वह है उनका देश के प्रति गहरा प्रेम और बेबाक अंदाज। वह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और देश के हित से जुड़ी बातों पर अपने विचार खुलकर रखते हैं। शनिवार को अनुपम खेर ने एक वीडियो साझा की जिसमें दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एक सार्वजनिक मंच से भाषण दे रही हैं। भाषण के दौरान उन्होंने अनुपम खेर के देशभक्ति से जुड़े साहसी रवैये की प्रशंसा की। खेर के अनुसार, यह क्लिप किसी ने उन्हें भेजी, जिसे देखकर उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दी। अनुपम खेर ने कहा कि यह भाषण सुनकर उन्हें बेहद खुशी हुई। उन्होंने आगे कहा कि उनके लिए देशभक्ति एक सामान्य बात है और भारत हमेशा सबसे ऊपर रहेगा। उन्होंने वीडियो को पोस्ट करते हुए लिखा, ÷दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, किसी ने मुझे आपके इस भाषण का अंश भेजा, जहां आपने मेरे देश के प्रति अपने साहस को दिखाने की प्रशंसा की। इसके लिए आपका धन्यवाद एवं आभार। मेरे लिए तो ये स्वाभाविक सी बात है। भारत हमेशा सर्वोपरि रहा है और रहेगा! जय हिन्द। इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई लोगों ने अनुपम खेर के विचारों की सराहना की और कहा कि वे सिर्फ फिल्मों में ही नहीं, असल ज़िंदगी में भी एक सच्चे देशभक्त हैं।

साभार एजेंसी

एशिया कप 2025 से ठीक पहले पूर्व इंग्लिश खिलाड़ी ने आखिर क्यों कहा ऐसा

सूर्यकुमार यादव से छीन लेना कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप 2025 में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में अपने खिताब की रक्षा करने के लिए मैदान पर उतरेगी। सूर्यकुमार यादव पहली बार एशिया कप में टीम इंडिया की कप्तानी करने जा रहे हैं, लेकिन इस टूर्नामेंट के शुरू होने से ठीक पहले पूर्व इंग्लिश खिलाड़ी मोंटी पनेसर ने उन्हें लेकर चौंकाने वाला बयान दिया। मोंटी पनेसर का मानना है कि अगर सूर्यकुमार यादव इस टूर्नामेंट में अच्छा नहीं कर पाए और अगर उनकी कप्तानी में भारत चैंपियन नहीं बन पाता है तो उनसे कप्तानी छीन लेनी चाहिए और उनकी जगह भारतीय टी20 टीम का कप्तान शुभमन गिल को बना देना चाहिए जो इस वक्त भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान भी हैं। मोंटी पनेसर ने इंडिया टीवी से बात करते हुए कहा कि शुभमन गिल में तीनों प्रारूप में भारतीय टीम की कप्तानी करने की क्षमता है। अगर सूर्यकुमार यादव टी20 में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते है या फिर एशिया कप नहीं जीत पाते हैं और मुझे लगता है कि भारतीय चयनकर्ता उनसे आगे बढ़कर सिमित ओवरों की कप्तानी शुभमन गिल को सौंप सकते हैं। रोहित शर्मा के वनडे कप्तान के पद से हटने के बाद इस बात की पूरी संभावना है कि गिल सभी प्रारूपो में भारत की कप्तानी कर सकते हैं। आपको बता दें कि गिल को रोहित शर्मा के बाद पहले टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया और अब एशिया कप से पहले उन्हें भारतीय टी20 टीम का उप-कप्तान बनाया गया था। 2024 टी20 वर्ल्ड कप के बाद वो सिमित ओवरों के क्रिकेट में नेतृत्व समूह में शामिल हो गए थे। श्रीलंका दौरे से पहले उन्हें वनडे टीम का उप-कप्तान बनाया गया था और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में वो भारतीय वनडे टीम के उप-कप्तान भी थे।

श्रेयस अय्यर को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

- **ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बन सकते हैं इंडिया के कप्तान**

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर इन दिनों एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम में चयनित नहीं किए जाने के बाद काफी सुर्खियों में हैं। श्रेयस एशिया कप में खेलते हुए नजर नहीं आएंगे, लेकिन उनके सामने अभी एक मौका है। ऑस्ट्रेलिया ए के साथ इंडिया ए टीम को दो मैचों कि अनाधिकारिक टेस्ट सीरीज और तीन मैचों की वनडे सीरीज में हिस्सा लेना है। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ जब चयनकर्ता इंडिया ए की टीम को चुनने के लिए बैठेंगे तो श्रेयस का नाम उनके सामने प्रमुख तौर पर होगा। चयनकर्ताओं के सामने मुख्य मसला ये होगा कि उन्हें क्या भूमिका दी जाए। क्रिकबज के मुताबिक इस बात की संभावना है कि उन्हें टीम में प्रमुख भूमिका मिलेगी और वो कप्तानी या फिर कुछ और भी हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया ए की टीम भारत दौरे पर अगले सप्ताह आने वाली है। श्रेयस अय्यर इस वक्त बेंगलुरु में हैं और दलीप ट्रॉफी मुकाबले में वेस्ट जोन की तरफ से खेल रहे हैं। वेस्ट जोन के लिए खेलते हुए सेंट्रल जोन के खिलाफ वो सेमीफाइनल मुकाबले की पहली पारी में 25 रन के स्कोर पर खलील अहमद की गेंद पर आउट हो गए थे, लेकिन इस छोटी पर तेज पारी का उनके चयन पर कोई असर पड़ने की संभावना नहीं है। इस बात की संभावना है कि वो इंडिया ए के लिए दो अनाधिकारिक टेस्ट मैच में खेलते हुए नजर आ सकते हैं। श्रेयस आईपीएल 2025 में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाजों में से एक थे, लेकिन एशिया कप के लिए भारतीय टी20 टीम में उन्हें कोई जगह नहीं दी गई, लेकिन लाल गेंद वाले मैचों के लिए उनका चयन किया जाना इस बात का संकेत है कि भविष्य में टेस्ट प्रारूप के लिए उनके नाम पर विचार किया जा सकता है भले ही वो वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज हो या फिर ऑस्ट्रेलिया में होने वाली टेस्ट सीरीज हो। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मौजूदा दलीप ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के अलावा नितीश रेड्डी, अभिमन्यु ईश्वरन और साई सुदर्शन जैसे कुछ अन्य खिलाड़ियों के चयन पर भी विचार किया जा सकता है। इस लिस्ट में एन जगदीशन, ऋतुराज गायकवाड़ और रजत पाटीदार भी हो सकते हैं। इंडिया ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच दो चार दिवसीय मैचों में से पहला मैच 16 सितंबर को लखनऊ में शुरू होगा, जो 11 सितंबर से शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी फाइनल के ठीक एक दिन बाद होगा। इसलिए संभावना है कि टीम का चयन मौजूदा सेमीफाइनल के कुछ दिन बाद किया जाएगा जो 7 सितंबर को समाप्त होगा।

एशिया कप में भारत-पाक मैच पर बोले बीसीसीआई सचिव, हमें केंद्र सरकार की बात का पालन करना होगा

गुवाहाटी (असम), एजेंसी। दुबई में 14 सितंबर को एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को लेकर चल रही आलोचनाओं के बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने हाल ही में जारी नीति का हवाला देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने किसी भी ऐसे देश के साथ बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलने पर प्रतिबंध नहीं लगाया है जो भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध नहीं रखता। टूर्नामेंट में भारत के अपने चिर प्रतिद्वंद्वी से भिड़ने पर नाराजगी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ गुस्से से उपजी है, जिसमें इस साल 22 अप्रैल को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों को मार डाला था। पूर्व क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने इस मुकाबले को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की है और मैच का बहिष्कार करने का सुझाव भी दिया है। अगस्त में केंद्र सरकार ने खेल आयोजनों में भारतीय एथलीटों के पाकिस्तानी एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा करने से निपटने के लिए एक नीति में संशोधन किया था। नीति के अनुसार भारत को बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति होगी, लेकिन वह द्विपक्षीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से परहेज करेगा।

सैकिया ने बताया, 'जहां तक बीसीसीआई का सवाल है, हमें केंद्र सरकार द्वारा औपचारिक रूप से तय की गई हर बात का पालन करना होगा। हाल ही में, किसी भी बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट या अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत की भागीदारी के संबंध में हमारी जो नीति लागू हुई है, उसके अनुसार केंद्र सरकार द्वारा कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है, चाहे हम उन देशों के साथ खेलें जिनके भारत के साथ अच्छे संबंध नहीं हैं। इसलिए भारत को किसी भी बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में सभी मैच खेलने होंगे।'

उन्होंने आगे कहा, 'चूंकि आईसीसी कप एक बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट है जिसमें एशिया महाद्वीप के देश शामिल होते हैं, इसलिए हमें खेलना होगा। और साथ ही किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट के लिए जब कोई देश भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध नहीं रखता है, तो हमें अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलना होगा। जहां तक द्विपक्षीय संबंधों का सवाल है, हम अपने किसी भी विरोधी देश के साथ नहीं खेलने जा रहे हैं।'

फिडे ग्रांड स्वीसः विश्व चैंपियन गुकेश को 14 साल के यागिज ने ड्रॉ पर रोका, वैशाली संयुक्त रूप से शीर्ष पर

समरकंद, एजेंसी। ओपन वर्ग में गुकेश ने एर्दोगमस के खिलाफ जीत की स्थिति से शुरुआत की थी, लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख सके। महिलाओं के वर्ग में भारत की वैशाली ने विजयी अभियान जारी रखा और लगातार दो जीत दर्ज कर दो अंक लेकर वह संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंचीं। विश्व चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को फिडे ग्रैंड स्विस के दूसरे दौर में तुर्किये के 14 वर्षीय यागिज खान एर्दोगमस ने ड्रॉ पर रोका, जबकि गत चैंपियन आर वैशाली ने महिलाओं के वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया। दो गेमों में जीत के साथ वह ऑस्ट्रिया की ओलगा बेडेल्का के साथ संयुक्त रूप शीर्ष पर हैं। ओपन वर्ग में गुकेश ने एर्दोगमस के खिलाफ जीत की स्थिति गंवा दी और अंततः ड्रॉ के लिए समझौता करना पड़ा, लेकिन शीर्ष वरीयता प्राप्त प्रज्ञानंद ने इवान जेनलियान्स्की को हराकर इस प्रतियोगिता में अपनी पहली जीत हासिल की।

ट्रिपल एच ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में किया इस हसीन महिला रेसलर का जोरदार स्वागत, 3800 दिनों के बाद रिंग में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई यूनिवर्स में शुक्रवार की रात एक बड़ा धमाका हुआ जब पूर्व डिवाज चैंपियन एजे ली ने 10 साल बाद स्मैकडाउन में वापसी की। इस खबर ने फैंस को हैरान कर दिया, लेकिन जो कुछ टीवी पर दिखाया गया उससे भी ज्यादा खास था पर्दे के पीछे का दृश्य। डब्ल्यूडब्ल्यूई के हेड ऑफ क्रिएटिव, ट्रिपल एच ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें एजे ली अपनी सरप्राइज एंट्री से ठीक पहले डब्ल्यूडब्ल्यूई का नया कॉन्ट्रैक्ट साइन कर रही हैं। ट्रिपल एच ने वीडियो के साथ लिखा, 'स्याही कागज पर। तूफान से पहले की शांति।' इस वीडियो में एजे ली शांत और गंभीर दिख रही थीं और उनके चेहरे पर 10 साल बाद घर लौटने की भावना साफ झलक रही थी। यह वीडियो तुरंत वायरल हो गया, जिसने फैंस को उनकी वापसी के एक खास पल का गवाह बनाया। एजे ली जो तीन बार डिवाज चैंपियन रह चुकी हैं उन्होंने मार्च 2015 में गर्दन की गंभीर चोट के कारण रिटायरमेंट ले लिया था। तब से उनके पति सीएम पंक या उनके पुराने प्रतिद्वंद्वी जब भी रिंग में आते थे, तो फैंस एजे ली के नाम के नारे लगाते थे। उनकी वापसी का यह पल इसलिए भी खास था क्योंकि यह शिकागो में हुआ, जहां सीएम पंक और बेकी लिंच के बीच तनाव चरम पर था।

यूएस ओपनः सेमीफाइनल में हार के बाद जोकोविच ने संन्यास की अटकलों को खारिज किया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। यूएस ओपन के सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को कार्लोस अल्काराज के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी, जिसके बाद सर्बियाई खिलाड़ी ने संन्यास की अटकलों को खारिज कर दिया। जोकोविच ने पुष्टि की है कि वह अगले साल एक पूर्ण ग्रैंड स्लैम सीजन खेलना चाहते हैं। 22 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी को 6-4, 7-6(4), 6-2 से शिकस्त देकर अपने सातवें और न्यूयॉर्क में दूसरे मेजर फाइनल में प्रवेश किया है। आर्थर ऐश स्टेडियम में करीब 2 घंटे 25 मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में कार्लोस अल्काराज ने इस साल के ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2024 पेरिस ओलंपिक में जोकोविच से मिली हार का बदला लिया। सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा, मैं अब भी ग्रैंड स्लैम खेलना चाहता हूं। मैं अगले साल पूरा ग्रैंड स्लैम सीजन खेलना चाहता हूं। देखते हैं कि ऐसा होता है या नहीं। लेकिन स्लैम तो स्लैम होते हैं। यह किसी भी अन्य टूर्नामेंट से अलग हैं। ये हमारे खेल के स्तंभ हैं। यह हमारे

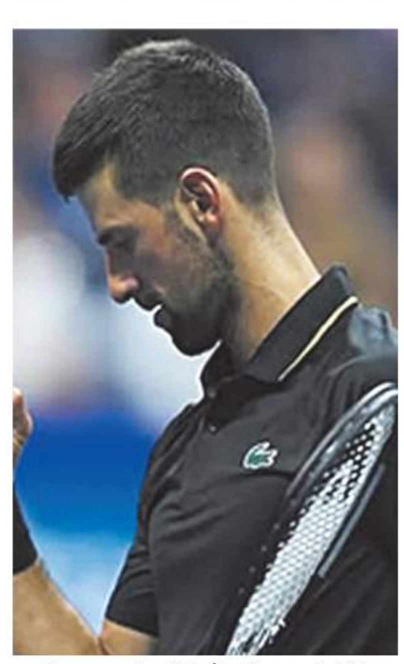

सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट हैं। नोवाक जोकोविच ने कहा, मैं अपने टेनिस के स्तर से खुश हूं, लेकिन यह शारीरिक क्षमता की बात है। जैसा कि मैंने क्वार्टर फाइनल के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, मैं अपने शरीर को इस स्तर और लय को कई घंटों तक बनाए रखने के लिए तैयार करने की पूरी कोशिश करूंगा, लेकिन यह पर्याप्त नहीं था। अपने करियर के इस पड़ाव पर यह ऐसी चीज है, जिस पर मेरा नियंत्रण नहीं है। 100 टूर-लेवल खिताब जीत चुके नोवाक जोकोविच ने माना कि जब वह शारीरिक रूप से अपना स्तर बनाए नहीं रख पाते तो यह निराशाजनक होता है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि उनकी उम्र में यह अपेक्षित है। जोकोविच ने कहा, यह समय और उम्र के साथ आता है। मैं अब भी प्रतिस्पर्धा का रोमांच महसूस करता हूं। इस मैच में दर्शकों से काफी सपोर्ट मिला। इसके लिए मैं बेहद आभारी हूं। मैंने खेल का भरपूर आनंद लिया। यही एक बड़ी वजह है कि मैं खेलता जा रहा हूं। पिछले कुछ वर्षों में मुझे दुनियाभर से जो प्यार मिला, वह अद्भुत है। कार्लोस अल्काराज अपने छठे ग्रैंड स्लैम खिताब और पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 पर वापसी की राह पर कायम हैं।

उनमें टी20 में भी अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता

इस खिलाड़ी की टी20 वापसी पर सुनील गावस्कर खुश

नई दिल्ली, एजेंसी। महान भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर टी20 प्रारूप में शुभमन गिल की एशिया कप 2025 के साथ वापसी से बिल्कुल भी हैरान नहीं। कई लोग इस बात पर हैरान थे कि गिल को टी20 में वापस बुलाया गया है जबकि उन्होंने जुलाई 2024 से इस प्रारूप में कोई मैच नहीं खेला।

साथ ही 25 वर्षीय गिल को आगामी एशिया कप के लिए टीम का उप कप्तान भी नियुक्त किया गया है। गावस्कर को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में गिल के शामिल होने पर कोई संदेह नहीं था और उन्होंने कहा कि एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में बल्ले से गिल के शानदार प्रदर्शन ने मेन इन ब्लू की टी-20 टीम में उनकी जगह लगभग पक्की कर दी है। गावस्कर ने सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर कहा, 'आईपीएल में उन्होंने जिस तरह से टी20 फॉर्मेट में बल्लेबाजी की उसे देखते हुए यह कोई बड़ी बात नहीं थी। आईपीएल में टी20 फॉर्मेट में वह काफी सफल रहे है। इसलिए इसमें कोई शक नहीं कि उनमें टी20 में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है।

जिस तरह की फॉर्म में वह है जहां उन्होंने हाल ही में समाप्त हुई टेस्ट सीरीज में 750 से ज्यादा रन बनाए है, वह टी20 टूर्नामेंट के लिए भी वाकई अच्छा संकेत है। गावस्कर ने आगे कहा, 'अगर भारत अपने मैच आराम से नहीं जीत पाता है तो मुझे वाकई हैरानी होगी। उनके सभी मैच सिर्फ पाकिस्तान के खिलाफ ही नहीं बल्कि बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ भी।

हॉकी इंडिया ने वंदना कटारिया और ललित उपाध्याय को सम्मानित किया

राजगीर, एजेंसी। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को महिला हॉकी टीम की पूर्व फॉरवर्ड वंदना कटारिया और पुरुष हॉकी टीम के पूर्व फॉरवर्ड ललित कुमार उपाध्याय को खेल में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया। दोनों खिलाड़ियों ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा की है। सम्मान समारोह राजगीर, बिहार में चल रहे पुरुष एशिया कप 2025 के दौरान आयोजित किया गया। हॉकी इंडिया ने वंदना और ललित को राष्ट्रीय टीमों के प्रति उनके समर्पण और सेवा के लिए 5-5 लाख रुपये के चेक प्रदान किए।

अप्रैल में आधिकारिक रूप से संन्यास लेने वाली वंदना ने 15 वर्षों से अधिक के अपने शानदार करियर को अप्रैल में अलविदा कहा था। 320 अंतरराष्ट्रीय मैचों और 158 गोलों के साथ वह भारतीय महिला हॉकी इतिहास में सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी हैं। 2009 में सीनियर टीम में पदार्पण के बाद से वंदना भारतीय हॉकी के सबसे बड़े चेहरों में रही हैं। टोक्यो ओलंपिक में भारत का

ऐतिहासिक चौथा स्थान उनके करियर की खास उपलब्धि रही। वह ओलंपिक में हैट्रिक गोल करने वाली पहली और एकमात्र भारतीय बनी थीं। सम्मान मिलने पर वंदना कटारिया ने कहा, भारत की जर्सी पहनना और अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य रहा है।

हॉकी ने मुझे सब कुछ दिया है और मैं इन यादों को हमेशा संजो कर रखूंगी। मैं इस सम्मान के लिए हॉकी इंडिया की और सबसे बढ़कर, अपने उन साथियों की बहुत आभारी हूं, जिनके साथ मैंने पिछले 15 वर्षों में हर उतार-चढ़ाव साझा किया । वे मेरे लिए एक परिवार की तरह थे। हमने एक-दूसरे को प्रोत्साहित किया, एक-दूसरे का साथ दिया और हर जीत का जश्न साथ मिलकर मनाया। उन्होंने कहा, मैंने जो कुछ भी हासिल किया है, वह उनके विश्वास, कड़ी मेहनत और जज्बे के बिना संभव नहीं होता।

मैं अपने परिवार की भी उतनी ही आभारी हूं, जो हर चुनौती और त्याग में मेरे साथ मजबूती से खड़े रहे और जिनके निरंतर प्रोत्साहन ने मुझे आगे बढ़ते रहने की शक्ति दी। मैं अपने सभी कोचों, सहयोगी स्टाफ और प्रशंसकों का भी धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने इस पूरे सफर में मुझे प्रेरित किया। ललित कुमार उपाध्याय ने जून में संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने 2014 में भारत के लिए डेब्यू किया था। 11 वर्षों में ललित ने भारत के लिए 183 मैच खेले और 67 गोल किए। उन्होंने टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में भारत की कांस्य पदक जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपनी पीढ़ी के सबसे भरोसेमंद फॉरवर्ड में से एक बन गए।

भारत और अमेरिका के बीच विशेष संबंध, चिंता की कोई बात नहीं : ट्रंप

» न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, भाषा।

शुल्क और रूसी तेल खरीद को लेकर अमेरिका और भारत के मध्य मौजूदा तनाव के बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच विशेष संबंध हैं और चिंता की कोई बात नहीं है बस कभी-कभी कुछ ऐसे पल आ जाते हैं। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में अपने कार्यालय ओवल ऑफिस में शुक्रवार को कहा, मैं हमेशा (नरेन्द्र) मोदी का दोस्त रहूंगा... वह शानदार प्रधानमंत्री हैं लेकिन मुझे इस समय उनके द्वारा किए जा रहे काम पसंद नहीं आ रहे हैं। लेकिन भारत और अमेरिका के बीच विशेष संबंध है, चिंता की कोई बात नहीं है। बस कभी-कभी कुछ ऐसे पल आ जाते हैं। राष्ट्रपति इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या वह भारत के साथ संबंधों को फिर से सुधारने के लिए तैयार हैं, क्योंकि दोनों देशों के बीच संबंध पिछले दो दशकों में संभवतः सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह इस बात से बहुत निराश हैं कि भारत रूस से इतना ज्यादा तेल खरीद रहा है।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक सवाल के जवाब में कहा, मुझे इस बात से बहुत निराशा है कि भारत रूस से इतना तेल खरीदेगा और मैंने उन्हें यह बता दिया है। हमने भारत पर बहुत ज्यादा शुल्क लगाया है, 50 प्रतिशत शुल्क, बहुत ज्यादा शुल्क। मेरे (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी से बहुत अच्छे रिश्ते हैं, वह बहुत अच्छे हैं। वह कुछ महीने पहले यहां आए थे। ट्रंप से पूछा गया था कि क्या अमेरिका ने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है दरअसल ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में कहा था कि , लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। ईश्वर करे कि उनका भविष्य दीर्घकालिक और समृद्ध हो। ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के नेता शी चिनफिंग के साथ मोदी की एक पुरानी तस्वीर भी पोस्ट की थी। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप का सोशल मीडिया पोस्ट उस समय आया है जब कुछ ही दिन पहले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच गर्मजोशी भरे संबंधों ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। भारत और अन्य देशों के साथ व्यापार वार्ता कैसी चल रही है, इस सवाल पर ट्रंप ने कहा, वे बहुत अच्छी चल रही हैं। अन्य देश भी अच्छा कर रहे हैं। हम उन सभी के साथ अच्छा कर रहे हैं। हम यूरोपीय संघ से नाराज हैं क्योंकि सिर्फ गूगल के साथ ही नहीं, बल्कि हमारी सभी बड़ी कंपनियों के साथ जो हो रहा है, उससे हम नाराज हैं। इस बीच, ट्रंप प्रशासन के व्यापार और विनिर्माण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार पीटर नवारो ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत के उच्चतम शुल्क से अमेरिकी नौकरियों पर असर पड़ रहा है। नवारो ने कहा, भारत रूस से तेल सिर्फ मुनाफा कमाने के लिए खरीदता है। इस मुनाफे से रूस की संघर्ष क्षमता को ताकत मिलती है। यूक्रेनी और रूसी लोग मारे जा रहे हैं। अमेरिकी करदाता इसकी कीमत चुका रहे हैं। भारत सच्चाई का सामना नहीं कर सकता, बस बहानेबाजी करता है। नेशनल इकनॉमिक काउंसिल के निदेशक और ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार केविन हैसेट ने भारत को लेकर एक गंभीर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप और उनकी व्यापारिक टीम इस बात से निराश हैं कि भारत रूस से तेल खरीद के माध्यम से रूस-यूक्रेन युद्ध को परोक्ष रूप से आर्थिक मदद पहुंचा रहा है। हैसेट ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, मुझे लगता है कि व्यापार टीम और राष्ट्रपति इस बात से निराश हैं कि भारत रूस के यूक्रेन युद्ध को धन देना जारी रखे हुए है,यह एक कूटनीतिक मुद्दा है और उम्मीद है कि इसमें जल्द ही सकारात्मक प्रगति होगी।

ब्रिटेन में मंत्रिमंडल फेरबदल

महिलाओं को शीर्ष पदों पर जगह मिली

» लंदन, भाषा।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने शनिवार को सभी स्तरों के मंत्रिस्तरीय पदों में बड़े फेरबदल के तहत महिला सांसदों को मंत्रिमंडल के सबसे वरिष्ठ पदों पर नियुक्त किया है। पाकिस्तानी मूल की शबाना महमूद की गृह मंत्री के पद पर पदोन्नति, तथा गृह कार्यालय की पूर्व अधिकारी यवेट कूपर को विदेश मंत्री नियुक्त किए जाने का अर्थ है कि चांसलर रेचल रीव्स के साथ-साथ शीर्ष तीन सरकारी पदों का नेतृत्व पहली बार महिलाओं के हाथ में होगा। स्टार्मर ने कम कर भुगतान विवाद के कारण एंजेला रेनर के उपप्रधानमंत्री पद से इस्तीफे के बाद मंत्रिमंडल में फेरबदल करते हुए विदेश मंत्री डेविड लैमी को उप प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। रेनर ने घर खरीद पर कर का कम भुगतान किए जाने के मामले में स्वतंत्र जांच के बाद शुक्रवार को उपप्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। महमूद ने शुक्रवार शाम गृह मंत्री का कार्यभार संभालते हुए कहा, गृह मंत्री के रूप में सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात है।

सरकार की पहली जिम्मेदारी अपने नागरिकों की सुरक्षा है। इस पद पर रहते हुए, मैं हर दिन इसी उद्देश्य के लिए समर्पित रहूंगी। पूर्व न्याय मंत्री को व्यापक रूप से एक ऐसे मंत्री के रूप में देखा जाता है, जिन्होंने जेलों में स्थानों की कमी के संकट से निपटने के लिए न्याय मंत्रालय में कठोर रुख अपनाया था। यवेट कूपर का विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) में स्थानांतरण विदेश नीति के रुख में बदलाव का संकेत देता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से अपनी नई ब्रिटिश समकक्ष से संपर्क किया और भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी की मजबूत गति को जारी रखने की इच्छा व्यक्त की। एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव के तहत जोनाथन रेनॉल्ड्स को व्यापार और वाणिज्य मंत्री के पद से हटाकर मुख्य सचेतक के रूप में लेबर पार्टी के अनुशासन का प्रभार सौंपा जाना। व्यापार एवं वाणिज्य विभाग में उनके उत्तराधिकारी पीटर काइल, जुलाई में भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर होने के बाद इसके कार्यान्वयन के अगले चरणों की जिम्मेदारी संभालेंगे। मंत्रिमंडल में बदलाव के तहत स्टीव रीड ने आवास मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला है।

सेना प्रमुख मुनीर अपनी सत्ता मजबूत करने के लिए अत्याचार का ले रहे सहारा : इमरान खान

» लाहौर, भाषा।

जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर पर नए सिरे से हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह अपने शासन को सुदृढ़ करने के लिए अत्याचार का सहारा ले रहे हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के मुख्य संरक्षक खान ने मुनीर पर अघोषित मार्शल लॉ लागू करने, पिछले फरवरी के चुनाव में लोगों का जनादेश चुराकर शहबाज शरीफ के नेतृत्व में कठपुतली सरकार स्थापित करने और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर अत्याचार करने का आरोप लगाया है। खान ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज आसिम मुनीर अपने शासन को सुदृढ करने के लिए पाकिस्तान के लोगों पर अत्याचार कर रहे हैं, जिससे देश कमजोर हो रहा है। क्रिकेट से राजनीति में आए 72 वर्षीय खान कई मामलों में दो साल से अधिक समय से जेल में हैं। उन्होंने कहा, जिन लोगों (मुनीर एंड कंपनी) ने जनादेश चुराया है, वे भयभीत हैं।

इसी भय की वजह से हमारे खिलाफ अत्याचार बढ़ रहा है। खान ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को एकांत कारावास में रखा जा रहा है और केवल इस उम्मीद में मानसिक यातना दी जा रही है कि मैं टूट जाऊंगा और अपनी विचारधारा को त्याग दूंगा। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे तोड़ने की कोशिश का असली मकसद लोगों की आवाज को दबाना है। उन्होंने आगे कहा कि यह वही तरीका है जो जनरल याह्या खान ने 1971 में ढाका हारने से पहले अपनाया था। वह पूर्व सेना प्रमुख जनरल याह्या खान का संदर्भ दे रहे थे, जिनके शासन में पूर्वी पाकिस्तान में गृहयुद्ध हुआ, जिसके परिणामस्वरूप एक स्वतंत्र राज्य - बांग्लादेश का उदय हुआ। उन्होंने कहा, 1971 और आज के बीच एकमात्र अंतर यह है कि अब लोग ज़्यादा जागरूक हैं। सोशल मीडिया ने सभी तथ्यों को जनता के सामने उजागर कर दिया है और लोगों ने अत्याचार के खिलाफ अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना सीख लिया है। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, यही कारण है कि यह दमनकारी व्यवस्था जल्द ही समाप्त हो जाएगी। लोगों की आवाज सुनने का समय आ गया है। खान को अप्रैल 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए अपदस्थ कर दिया गया था। खान ने सरदार अताउल्लाह मेंगल की पुण्यतिथि के अवसर पर बलूचिस्तान में आयोजित एक रैली में हुए बम विस्फोट की भी कड़ी निंदा की, जिसमें इस सप्ताह कम से कम 15 लोग मारे गए थे।

ईरान ने 1979 की क्रांति के पीड़ितों की सामूहिक कब्र को पार्किंग स्थल में तब्दील करना शुरू किया

» दुबई, भाषा।

ईरान की 1979 इस्लामिक क्रांति के बाद हुए नरसंहार के हजारों पीड़ितों को तेहरान के जिस कब्रिस्तान में सामूहिक रूप से दफनाया गया था उसे अब पार्किंग स्थल में तब्दील किया जा रहा है। तेहरान स्थित विशाल बेहेश्त-ए-ज़हरा कब्रिस्तान का लॉट 41 पार्किंग स्थल में तब्दील किया जा रहा है। प्लैनेट लैब्स पीबीसी की तस्वीरों में दिखाई दे रहा है कि उस स्थान पर पार्किंग स्थल बनाया जा रहा है, जहां ईरान के धार्मिक शासन के विरोधियों को गोलियों से और फांसी दिए जान से मारे जाने पर सामूहिक रूप से दफनाया गया था।

संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत ने 2024 में ईरान द्वारा कब्रिस्तानों को नष्ट करने को, अपने कार्यों पर कानूनी जवाबदेही से बचने के लिए संभावित सबूत के रूप में काम कर सकने वाले डेटा को छिपाने या मिटाने के प्रयास के रूप में वर्णित किया था। एम्स्टर्डम विश्वविद्यालय में लेक्चरर और इन कब्रगाहों पर अनुसंधान करने वाले शाहीन नासिरी ने कहा कि दूसरों के साथ उनके शोध से पता चलता है कि लॉट 41 में 5,000 से 7,000 लोगों को दफनाया गया है ये कब्रें उन लोगों की हैं जिन्हें ईरान धार्मिक रूप से अपराधी मानता है, चाहे वे कम्युनिस्ट हों, उग्रवादी हों, राजतंत्रवादी हों या अन्य हों।

मशहूर इतालवी डिजाइनर जियोर्जियो अरमानी को सैकड़ों लोगों ने श्रद्धांजलि दी

मिलान भाषा। फैशन की दुनिया में परिधानों की नई परिभाषा गढ़ने वाले मशहूर इतालवी डिजाइनर जियोर्जियो अरमानी को शनिवार को सैकड़ों आम प्रशंसकों और अतिविशिष्ट व्यक्तियों (वीआईपी) ने श्रद्धांजलि अर्पित की। अरमानी ने गैर पारंपरिक परिधानों के साथ फैशन की दुनिया में धूम मचा दी थी। अरमानी का बृहस्पतिवार को 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। वह इस महीने मिलान फैशन वीक के दौरान जियोर्जियो अरमानी फैशन हाउस के 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाने के लिए एक बड़े कार्यक्रम की योजना बना रहे थे। लोगों ने अरमानी थिएटर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बंद ताबूत को लम्बी डंडी वाले सफेद गुलाबों के गुलदस्ते से सजाया गया था। वैश्विक फैशन उद्योग में सबसे अधिक पहचाने जाने वाले नामों और चेहरों में से एक, अरमानी एक बीमारी से उबर रहे थे जिसका खुलासा नहीं किया गया है।

अमेरिका में हुंदै के कारखाने पर छापा, 475 लोग हिरासत में, ज्यादातर कोरियाई नागरिक

» एलाबेल (अमेरिका), भाषा।

अमेरिका में आव्रजन अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने जॉर्जिया में एक विशाल विनिर्माण स्थल पर छापा मारा, जहां कोरियाई वाहन कंपनी हुंदै इलेक्ट्रिक वाहन बनाती है। उन्होंने कहा कि इस दौरान 475 लोगों को हिरासत में लिया, जिनमें से ज्यादातर दक्षिण कोरियाई नागरिक हैं। गृह सुरक्षा जांच के प्रमुख जॉर्जिया एजेंट स्टीवन श्रैंक ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह छापा मारने से पहले उस स्थल पर अवैध रूप से काम पर रखने के आरोपों की महीनों तक जांच की गई थी।

इस कारखाने में हुंदै मोटर समूह ने एक साल पहले 7.6 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश से इलेक्ट्रिक वाहनों का निर्माण शुरू किया था। इस सप्ताह दायर किए गए अदालती रिकॉर्ड से संकेत मिलता है कि अभियोजकों को यह नहीं पता कि सैकड़ों अवैध विदेशियों को किसने काम पर रखा था। अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने बृहस्पतिवार को अदालत में दायर एक दस्तावेज में लिखा, अवैध विदेशियों को काम पर रखने वाली वास्तविक कंपनी या ठेकेदार की पहचान फिलहाल अज्ञात है। दूसरी ओर दक्षिण कोरिया की सरकार ने पूरे मामले पर चिंता जताते हुए अपने नागरिकों को निशाने पर चिंता और खेद जताया है।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री मोदी संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च-स्तरीय सत्र में नहीं होंगे शामिल

» संयुक्त राष्ट्र , भाषा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस महीने के अंत में होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक उच्च-स्तरीय सत्र में शामिल नहीं होंगे। यहां जारी वक्ताओं की संशोधित अनंतिम सूची से यह जानकारी मिली है। संयुक्त राष्ट्र महासभा का 80वां सत्र नौ सितंबर को शुरू होगा। उच्च स्तरीय सत्र 23 से 29 सितंबर तक होगा जिसमें ब्राजील पारंपरिक रूप से सत्र का पहला वक्ता होगा उसके बाद अमेरिका दूसरे स्थान पर होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 23 सितंबर को यूएनजीए के मंच से वैश्विक नेताओं को संबोधित करेंगे।

व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल में संयुक्त राष्ट्र सत्र में यह उनका पहला संबोधन होगा। उच्च स्तरीय सत्र में शामिल होने वाले वक्ताओं की शुक्रवार को जारी संशोधित अनंतिम सूची के अनुसार भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री एस. जयशंकर करेंगे। वह 27 सितंबर को सत्र को संबोधित करेंगे। दरअसल इससे पहले जुलाई में जारी वक्ताओं की अनंतिम सूची में यह जानकारी दी गई थी कि प्रधानमंत्री मोदी 26 सितंबर को सत्र को संबोधित करेंगे। इजराइल, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के शासनाध्यक्ष 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र को संबोधित करेंगे।

पाकिस्तान के पंजाब में बाढ़ से 50 लोगों की मौत, 40 लाख प्रभावित :अधिकारी

» लाहौर , भाषा।

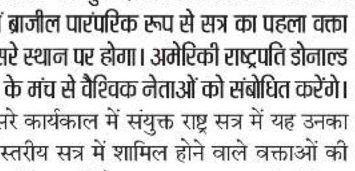

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 23 अगस्त से अबतक बाढ़ के कारण 50 लोगों की मौत हुई है और करीब 40 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 13 करोड़ की आबादी वाले इस प्रांत में अगस्त के मध्य से मूसलाधार बारिश हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप लगभग सभी नदियां और सहायक नदियां खतरे के स्तर से ऊपर बह रही हैं। पंजाब के प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के महानिदेशक इरफान अली काठिया ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, पंजाब में अब तक करीब 40 लाख लोग बाढ़ से प्रभावितविस्थापित हुए हैं। बाढ़ के पानी में फंसे करीब 18.4 लाख लोगों और 13.4 लाख मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

काठिया ने कहा, पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 50 लोगों की मौत हो गई है और मृतकों के परिवारों को 10-10 लाख पाकिस्तानी रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया तीन नदियों - रावी, चिनाब और सतलुज - के बाढ़ के पानी में 3,900 गांव डूब गए हैं और हजारों एकड़ फसलें बर्बाद हो गई हैं। कठिया ने कहा कि सियालकोट और गुजरात बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित जिले हैं तथा पंजाब के विभिन्न संभागों में और अधिक वर्षा होने का अनुमान है। उन्होंने बताया, बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है, गंडा सिंह वाला, हेड सुलेमानकी, हेड कादिराबाद, खानकी और मुहम्मदवाला में जलस्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। एनडीएमए के आंकड़ों के अनुसार, 26 जून से 31 अगस्त तक पंजाब प्रांत में बाढ़ से 209 लोगों की मौत हुई है जबकि लाखों लोग विस्थापित हुए हैं।

खालिस्तानी चरमपंथियों को कनाडा में वित्तीय सहायता प्राप्त हुई : रिपोर्ट

» ओटावा, भाषा।

आतंकवाद के वित्तपोषण पर कनाडा सरकार की एक नई रिपोर्ट के अनुसार कम से कम दो खालिस्तानी चरमपंथी समूहों को देश के भीतर से वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है। 2025 असेस्मेंट ऑफ मनी लॉन्डरिंग एंड टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क इन कनाडा शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कनाडा के अंदर से वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले खालिस्तानी चरमपंथी समूहों की पहचान बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन के रूप में की गई। ओटावा की खुफिया एजेंसी की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि 1980 के दशक के मध्य से कनाडा में राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसक चरमपंथ का खतरा खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा भारत के पंजाब में खालिस्तान नामक एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाने के लिए हिंसक तरीकों का इस्तेमाल करने की कोशिश के माध्यम से उत्पन्न हुआ था।

उक्त रिपोर्ट के दो महीने बाद कनाडा सरकार की नई रिपोर्ट आई है। नई रिपोर्ट के मुताबिक, राजनीति से प्रेरित हिंसक चरमपंथ ने नई राजनीतिक व्यवस्थाएं या मौजूदा व्यवस्थाओं के भीतर नई संरचनाओं और मानदंड स्थापित करने के लिए हिंसा के इस्तेमाल को प्रोत्साहित किया। रिपोर्ट के अनुसार, राजनीति से प्रेरित हिंसक चरमपंथ में धार्मिक तत्व शामिल हो सकते हैं लेकिन इसके कारक नस्लीय या जातीय वर्चस्व के बजाय राजनीतिक आत्मनिर्णय या प्रतिनिधित्व पर ज्यादा केंद्रित होते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा में आपराधिक संहिता के तहत सूचीबद्ध और राजनीति से प्रेरित हिंसक चरमपंथ में शामिल कई आतंकवादी संगठन जैसे हमास, हिज्बुल्ला और खालिस्तानी हिंसक चरमपंथी समूह बब्बर खालसा इंटरनेशनल तथा इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन कनाडा के अंदर से ही वित्तीय सहायता प्राप्त करते पाए गए हैं। कनाडा के वित्तीय लेनदेन एवं रिपोर्ट विश्लेषण केंद्र द्वारा 2022 में आतंकवादी गतिविधि वित्तपोषण पर जारी एक रिपोर्ट में हिज्बुल्ला को कनाडा से धन प्राप्त करने वाला दूसरा सबसे अधिक बार चिह्नित किया गया अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन बताया गया था। वर्ष 2025 की रिपोर्ट में राजनीति से प्रेरित हिंसक चरमपंथ वित्तपोषण पद्धतियों का भी विस्तृत विवरण दिया गया और बताया गया कि हमास और हिज्बुल्ला स्थापित व बखूबी संसाधन संपन्न समूह हैं, जो इस श्रेणी में आते हैं। रिपोर्ट के अनुसार,ये समूह अपनी गतिविधियों को जारी रखने के लिए विविध वित्तपोषण तौर-तरीकों का इस्तेमाल करते हैं, जिनमें बैंकिंग क्षेत्रों का दुरुपयोग, क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग, सरकारी वित्तपोषण, धर्मार्थ और गैर-लाभकारी संगठनों का दुरुपयोग और आपराधिक गतिविधियां शामिल हैं। रिपोर्ट में सामने आया कि, भारत के पंजाब प्रांत में एक स्वतंत्र क्षेत्र स्थापित करने के लिए हिंसक तरीकों का समर्थन करने वाले खालिस्तानी चरमपंथी समूहों पर कनाडा सहित कई देशों में धन जुटाने का संदेह है। इन समूहों का पहले कनाडा में धन उगाही का नेटवर्क था लेकिन अब ऐसा प्रतीत होता है कि इनमें ऐसे व्यक्तियों के छोटे समूह शामिल हैं, जो इस मुद्दे के प्रति निष्ठा रखते हैं लेकिन किसी विशिष्ट समूह से उनका कोई विशेष संबंध नहीं है। गैर-लाभकारी और धर्मार्थ गतिविधियों का दुरुपयोग उल्लेखित संगठनों के लिए एक चिंता का विषय है। इस रिपोर्ट के आने से नई दिल्ली के उन दावों की पुष्टि होती दिख रही कि कनाडा में खालिस्तान समर्थक तत्व बिना किसी रोक-टोक के भारत विरोधी गतिविधियां जारी रखे हुए हैं।

प्रधान न्यायाधीश गवई भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी पहुंचे

» काठमांडू, भाषा।

भारत के प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई शनिवार को भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी पहुंचे। न्यायमूर्ति गवई इस समय चार दिन की नेपाल यात्रा पर हैं। लुंबिनी पहुंचने पर उनका स्वागत लुंबिनी डेवलपमेंट ट्रस्ट के उपाध्यक्ष ल्हारक्याल लामा ने किया। लुंबिनी में उन्होंने मायादेवी मंदिर परिसर का दौरा किया और वहां मंत्रों का जप भी किया।

भारतीय दूतावास के सूत्रों के मुताबिक, न्यायमूर्ति गवई ने वहां दीप जलाकर विश्व शांति, मानव कल्याण और भारत-नेपाल के बीच गहरे मैत्रीपूर्ण संबंधों की कामना की। प्रधान न्यायाधीश बृहस्पतिवार को काठमांडू में नेपाल के उच्चतम न्यायालय द्वारा आयोजित न्याय क्षेत्र सुधारों पर नेपाल-भारत न्यायिक संवाद को संबोधित करने के लिए वहां पहुंचे थे। उन्होंने शुक्रवार को संवाद में मुख्य भाषण दिया और नेपाल के प्रधान न्यायाधीश प्रकाश मान सिंह राउत से भी मुलाकात की।

कैंसर विशेषज्ञ ने भारत में कैंसर को अधिसूचित रोग घोषित करने के प्रस्ताव का स्वागत किया

न्यूयॉर्कभाषा। अमेरिका के न्यूयॉर्क में रहने वाले एक मशहूर कैंसर रोग विशेषज्ञ ने भारत में कैंसर को अधिसूचित रोग घोषित करने की एक संसदीय समिति की हालिया सिफारिश का स्वागत किया है। उन्होंने इस कदम को कैंसर के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ करार दिया है। भारत की एक संसदीय समिति ने पिछले महीने सिफारिश की थी कि कैंसर को सभी राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों में अधिसूचित रोग घोषित किया जाना चाहिए। नारायण दास गुप्ता की अध्यक्षता वाली राज्यसभा की याचिका समिति ने संसद में पेश अपनी 163वीं रिपोर्ट में कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों, खासतौर पर कैंसर के आकलन के लिए विश्वसनीय आंकड़े महत्वपूर्ण हैं, जहां रुझानों पर नजर रखने, नीतियां तैयार करने और बुनियादी ढांचे की योजना बनाने के लिए व्यापक जानकारी आवश्यक है। डॉक्टर दत्तात्रेयुडु नोरी ने कहा, राज्यसभा की एक समिति की हालिया सिफारिश समयानुकूल और आवश्यक दोनों है। यह कैंसर के खिलाफ भारत की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। उन्होंने कहा, एक भारतीय-अमेरिकी कैंसर विशेषज्ञ के रूप में, मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह कदम मजबूत निगरानी, लक्षित रोकथाम, न्यायसंगत संसाधन वितरण और अंततः लाखों लोगों के लिए बेहतर परिणाम को बढ़ावा देगा।

समीक्षा : जलवायु परिवर्तन

प्रतिवर्ष 0.1 डिग्री सेल्सियस से पृथ्वी का तापमान बढ़ने से जलवायु का खतरा बढ़ रहा

वैश्विक अर्थव्यवस्था से कार्बन उत्सर्जन को वर्तमान गति से पांच गुना तेजी से कम करना होगा

» एक्सेटर ब्रिटेन, भाषा।

महासागरीय धाराओं के प्रमुख तंत्र का ध्वस्त हो जाना, बड़े-बड़े बर्फीले मैदानों का पिघलना या आमेजन के वर्षावन का नष्ट होना, ये सभी जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक निर्णायक बिंदु (निगेटिव टिपिंग पॉइंट) के उदाहरण हैं। ये जलवायु परिवर्तन से जुड़े बड़े खतरे हैं, जिसके तहत हानिकारक बदलाव एक के बाद एक करके अपने आप होने लगता है। इनमें से कोई भी पर्यावरण आपदा का कारण बन सकता है, जिससे करोड़ों लोग प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे अपरिवर्तनीय और अत्यधिक विनाशकारी परिणामों की आशंका अब और अधिक निकट आती जा रही है, क्योंकि वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि की सीमा पार होने वाली है।

हर साल और इस सीमा (1.5 डिग्री सेल्सियस) से ऊपर प्रत्येक 0.1 डिग्री सेल्सियस तापमान के बढ़ने से यह खतरा बढ़ जाता है कि जलवायु में ऐसे बदलाव हो सकते हैं, जिन्हें रोका नहीं जा सकेगा। इनसे बचने के लिए जलवायु कार्रवाई को तेजी से बढ़ाना होगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था से कार्बन उत्सर्जन को वर्तमान गति से पांच गुना तेजी से कम करना होगा, तभी हमारे पास पृथ्वी के तापमान में बढ़ोतरी को दो डिग्री सेल्सियस से नीचे सीमित रखने की संभावना होगी। यह सुनकर डर और चिंता होना स्वाभाविक है। हम अस्तित्वगत संकटों का सामना कर रहे हैं, और उनसे बचने के लिए असाधारण सामाजिक और तकनीकी बदलावों की आवश्यकता है। मौजूदा समय में कई देशों द्वारा जलवायु प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने के कारण, निराशा या हताशा महसूस करना स्वाभाविक है। लेकिन फिर भी कुछ शर्तों के तहत आशा की किरणें दिखाई देती हैं जो

सकारात्मक बदलाव में निहित हैं -जब शून्य-उत्सर्जन वाले व्यवहार और तकनीकों में बदलाव स्वतः संचालित रूप से होने लगते हैं। अब हमारे पास संकट से बाहर निकलने का एकमात्र व्यावहारिक रास्ता यही है, क्योंकि हमने बहुत देर कर दी है-अब धीरे-धीरे बदलाव लाने से काम नहीं चलेगा। टिपिंग पॉइंट तब आता है, जब किसी प्रणाली में बदलाव की गति इतनी तेज हो जाती है कि वह अपने-आप को आगे बढ़ाने लगता है, जैसे कि किसी माइक को बहुत पास लाने पर स्पीकर में तेज़ गूंज पैदा होती है। इतिहास बताता है कि ऐसे बदलाव सामाजिक प्रणालियों में भी कई बार हो चुके हैं। राजनीतिक क्रांतियों के बारे में सोचिए, या सामाजिक मान्यताओं में अचानक आए बदलावों के बारे में-जैसे सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान का निषेध, या घोड़ा गाड़ियों से कारों की ओर तेजी से हुआ परिवर्तन। अच्छी ,बात यह है कि मानव-जनित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में योगदान देने वाली लगभग हर चीज को शून्य उत्सर्जन की दिशा में सकारात्मक रूप से बदला जा सकता है। किसी प्रणाली को उस टिपिंग पॉइंट (बदलाव के निर्णायक बिंदु) तक पहुंचाने में मेहनत लगती है, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में यह बदलाव पहले ही आ चुका है, कम से कम कुछ देशों में। नॉर्वे ने एक दशक में पेट्रोल और डीजल कारों से इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर रुख कर लिया। ब्रिटेन ने अचानक कोयले का इस्तेमाल बंद कर दिया। हालांकि, गैस ने कुछ समय के लिए बिजली उत्पादन में कोयले की जगह ले ली, लेकिन तेजी से बढ़ती नवीकरणीय ऊर्जा ने अब कोयले की जगह ले ली है और गैस की जगह भी लेने लगी है। यह बदलाव अचानक नहीं हुआ। हमारे समाज को शून्य उत्सर्जन तक ले जाने के लिए हम सभी को जानबूझकर, सोच-समझकर काम करना होगा। नॉर्वे में, 1980 के दशक के अंत में सामाजिक कार्यकर्ताओं, जिनमें पॉप बैंड ए-एचए के सदस्य भी शामिल थे, ने सरकार पर इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए नीतियों का एक पैकेज अपनाने का दबाव डाला। ब्रिटेन में बिजली क्षेत्र में कार्बन की बढ़ती न्यूनतम कीमत ने इस बदलाव को शुरू किया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,